



» वर्ष 69 » अंक 329 पृष्ठ 12
» भोपाल, गुरुवार 27 अगस्त 2026
» श्रावण शुक्ल पक्ष 15, विक्रम संवत् 2083
» महानगर » मूल्य 5 रुपए

नेपाल
में अचानक
आया सैलाब
28
देशों के
500
से अधिक
लापता
157
लोगों की
मौत

जलप्रलय

नेपाल: नुवाकोट जिले के त्रिशुली नदी में अचानक आई बाढ़ में त्रिशुली बाजार के कई घर पानी के साथ बह गए तो कई मलबे में दब गए।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए 133 भारतीय भी लापता

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बुधवार सुबह 9 बजे अचानक आई बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचा दी। सुबह 9 बजे तिब्बत की दिशा से भोटेकोशी नदी में अचानक पानी का तेज बहाव आया जिसमें कई इलाके चपेट में आ गए। जिससे 157 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और 28 देशों के 500 से ज्यादा पर्यटक लापता हैं। नेपाल के पर्यटन बोर्ड के अनुसार, लापता पर्यटकों में भारत के 133, मलेशिया के 17, यूके के 33, दक्षिण कोरिया के 8, दक्षिण अफ्रीका के 4, अमेरिका के 54, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के 1 और इटली के 2 पर्यटक शामिल हैं। बता दें कि भारतीय पर्यटक कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए थे। वहीं नेपाली अधिकारियों का कहना है कि एक बार फिर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जिस ग्लेशियल झील के फटने से अचानक बाढ़ आई थी, वहां अभी भी करीब 7 मीटर ऊंचा डैम बना हुआ है। यह कभी भी टूट सकता है। वहीं नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने बताया है कि रसुवा में आपदा की स्थिति भूकंप के साथ आए हिमस्खलन के कारण हुई थी। अधिकारियों ने पहले सोचा था कि भूकंप के कारण भूस्खलन हुआ होगा –लेकिन अब अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण का कहना है कि 'भूकंपीय ऊर्जा वास्तव में भूस्खलन से उत्पन्न हुई थी'।

नेपाल में 42 किमी की सड़क बही: बेजवाती से रसुवागढ़ी-तिब्बत सीमा तक करीब 42 किमी सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुई। इसके अलावा स्याफुबेसी से सीमा तक 16 किमी सड़क को भी

नुकसान पहुंचा। बाढ़ का असर रसुवा से नुवाकोट, धादिंग होते हुए चितवन तक देखा गया। रसुवा में टिमुरे, स्याफुबेसी, हाकुबेसी, मेलुंग, सरलेटार, शांतिबाजार, पैरेबेसी, खाल्दी बस्ती और बेजवाती समेत करीब एक दर्जन बस्तियां प्रभावित हुई। बाढ़ धादिंग के गल्ली तक पहुंची और आगे मुग्लिन की ओर बढ़ने की चेतावनी दी गई। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने मोदी को कहा धन्यवाद: प्रधानमंत्री बालेन शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन पर संवेदना और मदद की पेशकश के लिए धन्यवाद दिया है। बालेन शाह ने एक्स पर लिखा कि इस कठिन समय में भारत की एकजुटता और सहायता का प्रस्ताव दोनों देशों की गहरी मित्रता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत के भावना की सराहना करता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ में जल गंवाने वालों पर शोक जताते हुए नेपाल को हर संभव मानवीय और राहत सहायता देने का भरोसा दिलाया था। 85 सुरक्षाकर्मी लापता, 19 पुल क्षतिग्रस्त : नेपाल प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, सेना और पुलिस समेत कम से कम 85 सुरक्षाकर्मी अब भी संपर्क से बाहर हैं। वहीं, लापता पर्यटकों में 93 नेपाली पर्यटक शामिल हैं। अब तक 19 पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। तमिलनाडु के 57 पर्यटकों में से 37 का अब तक पता नहीं चल सका है, जबकि 20 लोगों के बारे में जानकारी मिल पाई है। अधिकारियों के अनुसार, ये पर्यटक हिमालय क्षेत्र में एक मंदिर की ओर जा रहे थे।

शी जिनिपिंग ने राहत-बचाव तेज करने का दिया आदेश

तिब्बत में आई बाढ़ के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग ने राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। बाढ़ में कई लोगों की मौत हुई है। लापता लोगों की तलाश जारी है। बचाव अभियान के लिए 145 पुलिसकर्मियों और जवानों को प्रभावित इलाके में भेजा गया है।

हरियाणवी सिंगर को उग्र में मारी गोली, मौत

शामली, जेएनएन। उग्र के शामली में बुधवार शाम 32 साल के यूट्यूबर और हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की ज़िम के बाहर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने उन पर 18 राउंड फायरिंग की। सिर, पेट में 5 गोली लगने से वह गिर गए। पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात शाम करीब 7 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, 4 हमलावर पहले से घात लगाकर बैठे थे। घटना से गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। मां अंकित की लाश गोद में लेकर सड़क पर बैठ गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से हमलावरों की पहचान की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि अंकित जिला पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहे थे। उनकी हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

अजब-गजब

30 दिन की पैरोल पर गया था 40 साल तक जेल नहीं लौटा, जेल प्रबंधन लिखता रहा पत्र

उम्रकैद का सजायाफ्ता वर्षों बना रहा सरकारी शिक्षक!

हैदराबाद, जेएनएन। तेलंगाना हाई कोर्ट में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने जेल प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पाए एक कैदी को दिसंबर 1983 में 30 दिन की पैरोल मिली थी। बाद में उसकी पैरोल 17 मार्च 1984 तक बढ़ाई गई। उसे 18 मार्च को जेल लौटना था, लेकिन वह वापस नहीं आया। इसके बाद वह 40 साल से ज्यादा समय तक जेल से बाहर रहा। इस दौरान उसने सरकारी शिक्षक के तौर पर नौकरी की, 2013 में रिटायर हुआ और 2004 में उसे 'बेस्ट टीचर' अवार्ड भी मिला। आखिरकार 16 मई 2024 को एक स्पेशल टास्क फोर्स ने उसे पकड़ लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस व्यक्ति को 1983 में हत्या के एक मामले में दोषी ठहराया गया था और उम्रकैद की सजा



सुनाई गई थी। 17 दिसंबर 1983 को उसे 30 दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया। बाद में यह अवधि 17 मार्च 1984 तक बढ़ाई गई। लेकिन पैरोल खत्म होने के बाद उसने 18 मार्च 1984 को जेल में सरेंडर नहीं किया। वह चार दशक से ज्यादा समय तक जेल से बाहर रहा और 2024 में उसे गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उसे सेंट्रल जेल भेज दिया गया। कैदी की पत्नी ने उसके खिलाफ

दोषी जानबूझकर गिरफ्तारी से बचा

राज्य सरकार ने याचिका का विरोध किया। सरकार ने बताया कि पैरोल से वापस नहीं लौटने पर पुलिस अधीक्षक को कई पत्र भेजे गए थे और बाद में उसे पकड़ने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनाई गई। अदालत के मुताबिक दोषी ने जानबूझकर गिरफ्तारी से बचने की कोशिश की। सरकारी शिक्षक के तौर पर नौकरी करने और रिटायर होने का उसका दावा भी इस ओर इशारा करता है कि उसने अपनी सजा छिपाकर 'धोखे से' सरकारी नौकरी हासिल की। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह व्यक्ति अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा जेल से बाहर बिताते और इससे मिलने वाले सभी फायदों का आनंद लेने में सफल रहा।

मेडिकल आधार पर भी पैरोल देने से इनकार

कैदी की पत्नी ने मेडिकल आधार पर भी पैरोल की मांग की थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने इसे भी खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि जेल में मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध हैं। तेलंगाना हाई कोर्ट की जस्टिस टी. माधवी देवी ने याचिका खारिज करते हुए पैरोल पर बाहर जाने वाले कैदियों की निगरानी के लिए व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि पैरोल पर बाहर जाने वाले कैदियों की निगरानी के लिए स्पेशल टास्क फोर्स बनाई जाए। यह सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश और जल्दी व्यवस्था तैयार की जाए कि पैरोल खत्म होने पर कैदी समय पर जेल लौटें। ऐसे मामलों पर कड़ी नजर रखी जाए, क्योंकि इस तरह की चूक दूसरे कैदी भी प्रोत्साहित होगी।

नेपाल में 13 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को नुकसान

बाढ़ से नेपाल के जलविद्युत क्षेत्र को भी बड़ा नुकसान हुआ है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक रसुवा और नुवाकोट जिलों में कम से कम 13 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट प्रभावित हुए हैं। इनमें चालू और निर्माणाधीन दोनों परियोजनाएं शामिल हैं। लांगटांग हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को भी भारी नुकसान की खबर है। 20 मेगावाट की इस निर्माणाधीन परियोजना का पावरहाउस बाढ़ में पूरी तरह बह गया है। यहां 60 लोग लापता बताए जा रहे हैं। तिब्बत क्षेत्र में भी भीषण बाढ़ से भारी नुकसान की खबर सामने आई है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, तिब्बत के गियरोंग में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है, जबकि 265 लोग अब भी लापता हैं। ये आंकड़े शुरुआती जानकारी के आधार पर बताए गए हैं और इनका सत्यापन अभी जारी है।

बिना बारिश कैसे आया सैलाब

नेपाल में बिना बारिश आखिर भीषण सैलाब कैसे आया। इस पर काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, काठमांडू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और जलवायु शोधकर्ता रिजन भक्त कायस्थ ने बताया है कि प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि हिमस्खलन ने तिब्बत के कैरुंग इलाके में लेंडे नदी को अवरुद्ध कर दिया, जिससे भोटे कोशी और त्रिशुली नदी में अचानक बाढ़ आ गई।



नेपाल के चितवन के कुरिनेटार में त्रिशुली नदी पर बना झूला पुल पानी के तेज बहाव में बह गया।

मोदी बोले- भारत हर संभव मानवीय मदद देने को तैयार

नेपाल में बाढ़ से हुई जनहानि पर प्रधानमंत्री मोदी ने दुःख जताया है। उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से बात कर बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत नेपाल के लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के पीएम बालेन शाह से भी बात की है।

होगा, जो अचानक दृढ़। बर्फ का अचानक पिघलना: स्थानीय प्रशासन और आपदा अधिकारियों का दावा है कि उन्होंने ऊंची चोटियों से पिघली हुई बर्फ और बर्फ के बड़े हिस्से टूटकर सीधे भोटे कोशी नदी के ऊपरी हिस्सों में गिरते देखा है। नदियों के रास्ते में भूस्खलन से रुकावट: तिब्बत में भूकंप आते रहते हैं। भूवैज्ञानिकों का मानना ​​है कि इस कारण नदियों के रास्ते में पहाड़ का मलबा गिरने से झील का निर्माण हुआ होगा।

- » रसुवा में पिछले 24 घंटे में 7 मिमी से ज्यादा बारिश नहीं हुई
- » बाढ़ की वजह बारिश नहीं, बल्कि तिब्बत में ग्लेशियर झील का फटना हो सकता है
- » भोटे कोशी बेसिन में 122 ग्लेशियर झीलें हैं। कौन सी फटी अभी इसकी पुष्टि नहीं
- » बचाव में 14 हेलीकॉप्टर लगे
- » नेपाल के रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन जैसे इलाके प्रभावित
- » 2015 में आए भूकंप के बाद नेपाल में सबसे भीषण आपदा
- » 40-42 किलोमीटर सड़क और कम से कम 19 पुलों को नुकसान पहुंचा है

त्रिशुली बाजार पूरी तबाह

विदुर नगरपालिका के वार्ड नंबर 1 के वार्ड अध्यक्ष लेनिन रंजीत ने कहा कि रसुवा और नुवाकोट से होकर बहने वाली भोटेकोशी और त्रिशुली नदियों में आई बाढ़ के कारण नुवाकोट का ऐतिहासिक त्रिशुली बाजार लगभग पूरी तरह डूब गया है। त्रिशुली जलविद्युत संयंत्र, बाजार में बने गए और पुराने दोनों कंक्रीट के पुल, त्रिशुली स्कूल, मंदिर और घर बह गए हैं। फिलहाल बाजार के लोग विदुर और कॉलोनी इलाकों में शरण ले रहे हैं। उनके मुताबिक, त्रिशुली के लोगों को बाढ़ की सूचना देकर तुरंत वहां से निकलने के लिए कहा गया था। पर लोगों को यकी नहीं हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, नुवाकोट के ऐतिहासिक त्रिशुली बाजार को 'संगुबाजार' के नाम से भी जाना जाता है। यहां करीब 500 घर हैं और आबादी 2,000 से ज्यादा है।

उग्र-बिहार में अलर्ट, गंडक बैराज के 36 गेट खोले

नेपाल में आई भीषण बाढ़ ने सीमावर्ती राज्यों उत्तर प्रदेश और बिहार में भी खतरे की घंटी बजा दी है। भोटेकोशी और त्रिशुली नदियां गंडक नदी प्रणाली में मिलती हैं, जो बिहार के अंदरूनी हिस्सों तक बहती है। मुख्यमंत्री सच्चित चौधरी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने प्रशासन को सतर्क रहने की चेतावनी दी है। बिहार के बगहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, पलेश फ्लड आने की भी आशंका है। बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। ये जिले पश्चिमी चंपारण (बगहा), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हैं। बिहार के सीएम सच्चित चौधरी ने अधिकारियों के साथ बैठक की।

भारतीय दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

काठमांडू में भारतीय दूतावास ने आज नेपाल में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद और जानकारी के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए हैं (+977 985 131 6807, +977 970 910 7500)। नेपाल ट्रिज्म बोर्ड ने भी हेल्पलाइन नंबर (1234, 1144, और 9851289445) जारी किए हैं।

10 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत भेजी गई

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने नेपाल में बाढ़ से निपटने में मदद के लिए 10 टन मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री और आवश्यक दवाएं भेजी हैं। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस के अनुसार, नेपाल में चिकित्सा आपूर्ति जुटाकर भेजी है।

गीवा कंपनी ने व्यक्त किया खेद कृति सेनन का विज्ञापन विवाद के बाद हटाया

मुंबई, जेएनएन। ज्वेलरी ब्रांड गीवा ने बुधवार को एक्ट्रेस कृति सेनन के विवादास्पद रक्षाबंधन विज्ञापन को हटा दिया है। विज्ञापन में कृति ब्रालेट-स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेड स्कर्ट पहने थीं। गीवा ने विवाद बढ़ता देख बुधवार कहा कि विज्ञापन हटा लिया गया है। गीवा ने कहा, 'एक ब्रांड के तौर पर हमारा हमेशा से मानना रहा है कि इन खुशी के पलों को पूरे परिवार के साथ मनाया जाए। उद्देश्य पालतू जानवरों के साथ प्यार और जश्न को आगे बढ़ाना था। भावनाएं आहत करना हमारा इरादा नहीं था।' अगर समाज के कुछ हिस्सों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तो हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं था।



ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया मॉडल... पीएम कुसुम योजना के तहत प्रदेश के 32 लाख किसानों को रियायती दरों पर सोलर पंप देने का लक्ष्य

अन्नदाता अब ऊर्जादाता; भारी खर्च से मुक्ति, खेतों को मिलेगी 24 घंटे निर्बाध बिजली

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से उठाएँ सस्ती बिजली का लाभ

भोपाल

मध्यप्रदेश ने कृषि क्षेत्र में सौर ऊर्जा के उपयोग से बड़ी क्रांति की शुरुआत की है। सरकार नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के माध्यम से किसानों को ऊर्जादाता बना रही है। इसके लिए सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना शुरू की गई है। यह योजना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण का बड़ा माध्यम बनी है। इसके तहत कृषि फीडरों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया मॉडल

स्थापित हो रहा है। सौर ऊर्जा अभियान के तहत पीएम कुसुम योजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत प्रदेश के 32 लाख किसानों को रियायती दरों पर आधुनिक सोलर पंप दिए जाएंगे। राज्य सरकार ने अगले 3 वर्षों में 30 लाख सोलर पंप देने की विशेष कार्ययोजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर साल 10-10 लाख सोलर पंप कनेक्शन दिए जाएंगे। इस कदम से किसानों को भारी बिजली बिलों से हमेशा के लिए मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या भी खत्म हो जाएगी।



सौर ऊर्जा से अन्नदाता को मिलेगी बड़ी राहत

1. सोलर पंप मिलने से किसानों की डीजल और बिजली पर निर्भरता खत्म होगी, जिससे खेती की लागत में हर महीने बड़ी बचत होगी।

2. बेहद मामूली शुल्क पर परमानेंट बिजली कनेक्शन मिलने से छोटे और सीमांत किसानों पर शुरुआती बुनियादी खर्च का बोझ नहीं पड़ेगा।

3. एससी-एसटी वर्ग के 1 हेक्टेयर तक के किसानों को 5 हॉर्सपावर तक मुफ्त बिजली से सीधे आर्थिक राहत मिल रही है।

4. सोलर पंप और फीडर सुधरने से किसानों को रात के बजाय दिन में सुरक्षित और पर्याप्त सिंचाई करने का अवसर मिलेगा।

मात्र 5 रुपये में... किसानों को मिलेगा स्थाई बिजली कनेक्शन और साथ में सब्सिडी भी

किसानों की सहूलियत के लिए ऊर्जा विभाग मात्र 5 रुपये में बिजली का स्थाई कनेक्शन दे रहा है। वर्तमान में किसानों को हर दिन 10 घंटे निर्बाध बिजली दी जा रही है। अटल कृषि उद्योति योजना के तहत 10 हॉर्सपावर तक के किसानों को बिजली बिल में भारी सब्सिडी मिल रही है।

अनुसूचित जाति और जनजाति के छोटे किसानों को 5 हॉर्सपावर तक के पंप पर पूरी तरह मुफ्त बिजली दी जा रही है। सरकार का अंतिम लक्ष्य किसानों को खेतों के लिए 24 घंटे निर्बाध बिजली देना है। इससे सिंचाई की लागत बहुत कम हो जाएगी।

हर खेत तक पानी: सूक्ष्म सिंचाई में मध्यप्रदेश बना देश का अग्रणी राज्य

केन-बेतवा और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक से बदलेगी एमपी के खेतों की तकदीर

सिंचाई क्षमता को 100 लाख हेक्टेयर तक ले जाने का संकल्प

भोपाल

मध्यप्रदेश की कृषि समृद्धि और हर खेत तक पानी पहुंचाने के संकल्प को जल संसाधन विभाग ने धरातल पर उतारना शुरू कर दिया है। इस दिशा में त्वरित कार्यप्रणाली के दम पर पिछले दो वर्षों के भीतर 7 लाख हेक्टेयर से अधिक नई सिंचाई क्षमता का विस्तार करने में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस बड़ी उपलब्धि के चलते प्रदेश की वर्तमान सिंचाई क्षमता बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर से अधिक हो गई है। सरकार ने अब आगामी वर्षों में प्रदेश का कुल सिंचित क्षेत्र 100 लाख हेक्टेयर करने का दूरगामी लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रदेश की दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने और सूखाग्रस्त क्षेत्रों की तकदीर बदलने के लिए तीन बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ी परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। इनमें केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना और तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना शामिल हैं। इनके पूरे होने से मालवा, बुंदेलखंड और निमाड अंचल की सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व बढ़ोतरी होगी। माइक्रो इरिगेशन (सूक्ष्म सिंचाई) और टपक सिंचाई पद्धतियों के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश वर्तमान में पूरे देश का अग्रणी राज्य बना हुआ है, जिससे पानी की हर बूंद का अधिकतम उपयोग पक्का हो रहा है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना की शुरुआत करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड

बेहतर जल उपयोग दक्षता और बांधों के जल स्तर की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए एक अत्याधुनिक 'राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड' बनाने की आधिकारिक घोषणा की जा चुकी है, जो सिंचाई प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता लाएगा। इसके साथ ही, नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा सिंचाई परियोजनाओं को नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के माध्यम से सीधे रित पोषित करने की मंजूरी दी गई है, जिससे बजटीय रुकावटें पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। सरदार सरोवर परियोजना पर हुए ऐतिहासिक निर्णय से मध्यप्रदेश को बड़ी वित्तीय राहत मिलने के साथ-साथ राज्य के जल, सिंचाई और ऊर्जा क्षेत्र को एक नई मजबूती मिली है, जिससे अंतिम छोर के खेतों तक पानी पहुंचना सुगम हो गया है।

सिंचाई और जल नेटवर्क

- 12 वर्षों में 7 लाख हेक्टेयर की वृद्धि के साथ वर्तमान क्षमता 55 लाख हेक्टेयर हो चुकी है, जिससे लाखों नए खेतों को पानी मिला है।
- सिंचित क्षेत्र को 100 लाख हेक्टेयर ले जाने के लक्ष्य से सूखाग्रस्त इलाकों में फसलों का उत्पादन कई गुना बढ़ जाएगा।
- केन-बेतवा, पार्वती-कालीसिंध-चंबल और तापी बेसिन रिचार्ज से मालवा, बुंदेलखंड और निमाड की खेती का संकट होगा खरम।



एग्गी-बिजनेस लगाने वाले किसानों को सरकार दे रही 50% तक की भारी सब्सिडी; नरसिंहपुर और मंदसौर में कृषि उद्योग समागमों से बढ़ा औद्योगिक निवेश

धार का पीएम मित्र पार्क देगा 6 लाख कपास उत्पादकों को लाभ

भोपाल

मध्यप्रदेश को कृषि उत्पादन के साथ-साथ देश का प्रमुख एग्गी-प्रसंस्करण हब बनाने के लिए औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने बड़ी पहल की है। राज्य सरकार के प्रयासों से नरसिंहपुर और मंदसौर जिलों में आयोजित कृषि उद्योग समागम के बड़े परिणाम सामने आए हैं। इसके तहत कृषि आधारित नए उद्योगों को लगाने के लिए करीब 8,000 करोड़ रुपये के बड़े निवेश प्रस्तावों को प्रशासनिक मंजूरी दे दी गई है। इस औद्योगिक क्रांति के तहत धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क का सफल भूमिपूजन हो चुका है। इसका सीधा लाभ प्रदेश के 6 लाख से अधिक कपास उत्पादक किसानों को उन्नत बाजार और सही दाम के रूप में मिलेगा। सरकार ने कृषि आधारित कारखाने या प्रसंस्करण इकाइयों लगाने वाले स्थानीय किसानों और ग्रामीण युवाओं को बड़ी राहत दी है। इसके तहत उन्हें परियोजना लागत पर 50% तक की भारी सब्सिडी

10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना तेज

फूड पार्क, कोल्ड चैन और एगो-प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार कर फसलों की संपूर्ण वैल्यू चैन को मजबूत किया जा रहा है। एथेनॉल उत्पादन और मक्का आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर किसानों की उपज के लिए नए औद्योगिक बाजार विकसित किए जा रहे हैं। हर जिले में स्थानीय संसाधनों के हिसाब से एक जिले-एक उत्पाद के तहत काम हो रहा है। इसके अंतर्गत मूल्य संवर्धन के लिए 10 हजार सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना का कार्य तीव्र गति से जारी है। एकपीओ को मजबूत बनाकर किसानों को सीधे वैश्विक बाजार से जोड़ दिया गया है।

देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। साथ ही, इन कारखानों में काम करने वाले स्थानीय श्रमिकों को 5,000 प्रति माह की अतिरिक्त सहायता देने का भी प्रावधान है।

तकनीक के रास्ते सफलता की ओर...खेतों में उतरी परमाणु विज्ञान की शक्ति

बार्क के सहयोग से भोपाल में लगेगी विकिरण इकाई, इंदौर को मिलेगा शीतल वाहक संयंत्र

भोपाल

मध्यप्रदेश के खेतों और बागों में अब परमाणु विज्ञान की आधुनिक तकनीक का जादू बिखरने वाला है। राज्य के उद्यमिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने किसानों को चेहरों पर खुशी लाने और फसलों की शेल्फ-लाइफ (भंडारण क्षमता) बढ़ाने के लिए बड़े तकनीकी नवाचार जमीन पर उतारे हैं। विज्ञान और परीने के इस अनूठे संगम से अब प्रदेश के किसानों के फसल-सब्जियों न सिर्फ लंबे समय तक तरोताजा रहेंगे, बल्कि इकाई बनाई जा रही है।

वे वैश्विक बाजारों में एक्सपोर्ट के लिए भी पूरी तरह तैयार हो सकेंगे। सरकार के इन वैज्ञानिक प्रयासों ने खेती-किसानी को मुनाफे का नया सौदा बना दिया है।

इस वैज्ञानिक महान-अभियान के तहत भोपाल में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। यहां आम और दूसरे फलों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने व कीट-मुक्त निर्यात के लिए भामा एटोमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) बॉम्बे के सहयोग से 20 करोड़ रुपये की लागत वाली आधुनिक थिंकरिज तकनीकी इकाई बनाई जा रही है।



इसी तरह, इंदौर में राजाराम सेंटर ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी के तकनीकी सहयोग से 1.25 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक शीतल वाहक रात्र परियोजना स्थापित की गई है। यह संयंत्र फलों और सब्जियों को लंबी दूरी के परिवहन में खराब होने से बचाएगा।

12 जिलों में आलू की कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग, 10 नए जिलों में मखाने की बहार

भोपाल

व्यावसायिक खेती को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से उज्जैन, इंदौर, सागर, छिंदवाड़ा और ग्वालियर सहित 12 प्रमुख जिलों में 2.50 करोड़ रुपये की लागत से पोटेटो कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग (आलू अनुबंध खेती) योजना लागू की गई है। इसी क्रम में, मखाने जैसी उच्च मूल्य की फसल को बढ़ावा देने के लिए नर्मदापुरम, सिवनी, बालाघाट और छिंदवाड़ा के अलावा 10 नए जिलों-जबलपुर, कटनी, रीवा, राहडोल आदिमें मखाना क्षेत्र विस्तार योजना का विस्तार किया गया है। वहीं, संरक्षित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए 6 करोड़ रुपये की लागत से 20 जिलों में 850 अल्ट्रा लो-कार्बट शेडनेट हाउस के निर्माण का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएमएफएमई से बदली तकदीर... उज्जैन के गौरव ने लहसुन-प्याज के पाउडर से कमाया ₹16 लाख का शुद्ध मुनाफा, बुरहानपुर के अभिषेक केले से बना रहे गोल्डन पाउडर

अब खेतों से निकल रहे हैं बिजनेस टाइकून, किसानों ने खड़ी की करोड़ों की फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री

भोपाल

मध्यप्रदेश का अन्नदाता अब सिर्फ फसल उगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह अपनी उपज की प्रोसेसिंग कर सीधे देश-विदेश के बाजारों में बेच पड़ेगा। प्रदेश में ही उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड सब्जी बीजों के उत्पादन की मजबूत व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, वाराणसी और भारतीय उद्यमिकी अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर के सहयोग से दो बड़े बीजोत्पादन हब तैयार किए गए हैं। इस पहल के तहत सागर जिले के झिला फार्म पर ₹6.95 करोड़ तथा देवास जिले के कन्नौढ़ फार्म पर ₹4.39 करोड़ की लागत से 'हाइब्रिड सब्जी बीजोत्पादन कार्यक्रम' सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। यह पहल प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण सब्जी बीजों की उपलब्धता को मजबूत आधार प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

उज्जैन के गौरव ने लहसुन-प्याज पाउडर से खड़ा किया 63 लाख का टर्नओवर

उज्जैन के प्रगतिशील युवा गौरव सिंह कन्नौजिया ने बाजार में मसालों और ड्राई वेजीटेबल्स की मांग को भांपकर महाकाल फूड प्वांट इंडस्ट्री नाम से अपनी प्रोसेसिंग इकाई शुरू की। उन्होंने प्याज, लहसुन, टमाटर और चुकंदर को सुखाकर उनका पाउडर और फ्लेक्स (टुकड़े) बनाना शुरू किया। गौरव ने योजना के तहत ₹53.41 लाख की कुल लागत से आधुनिक प्लांट लगाया, जिसमें उन्हें सरकार से ₹10.00 लाख का सीधा अनुदान मिला। तकनीक और सही मार्केटिंग के दम पर आज गौरव की इकाई का सालाना टर्नओवर ₹63.00 लाख के पार पहुंच गया है, जिससे वे हर साल ₹16.00 लाख का शुद्ध मुनाफा कमा रहे हैं।

नीमच के सत्यनारायण ने शेडनेट से कमाया 8.46 लाख का शुद्ध लाभ

नीमच जिले के किसान सत्यनारायण पाटीदार ने अपनी खेती को मौसम की मार से सुरक्षित करने के लिए संरक्षित खेती का रास्ता चुना। उन्होंने 4000 वर्ग मीटर के रकबे में एक आधुनिक शेडनेट हाउस का निर्माण किया। इस 28.40 लाख रुपये की बड़ी परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए विभाग ने उन्हें 14.20 लाख रुपये की 50% भारी सब्सिडी दी। सत्यनारायण ने शेडनेट के भीतर खीस-ककड़ी का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया। अनुकूल वातावरण के कारण फसल की बंपर पैदावार हुई और उन्होंने मात्र दो सीजन में ही 14.06 लाख रुपये की कुल आय के साथ 8.46 लाख रुपये का शुद्ध वार्षिक लाभ अर्जित किया।

केला हब बुरहानपुर में अभिषेक ने केले से बनाया गोल्डन पाउडर, 6 को रोजगार

केला उत्पादन के लिए मशहूर बुरहानपुर जिले के अभिषेक जयसवाल ने कच्चे केलों की बर्बादी को रोकने के लिए लाल हार्वैस्ट नाम से एक अनूठी इकाई स्थापित की। वे प्रतिदिन 40 किलो केला पाउडर और 20 किलो प्याज के फ्लेक्स तैयार कर रहे हैं। इस प्लांट के लिए उन्हें 19.94 लाख रुपये की बैंक वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। आज इस बिजनेस से वे 4.80 लाख रुपये की शुद्ध वार्षिक आय कमा रहे हैं। अभिषेक की इस इकाई का सबसे खूबसूरत पहलू, इसका सामाजिक प्रभाव है, जहाँ उन्होंने स्थानीय स्तर पर 6 ग्रामीण युवाओं को नियमित और सम्मानजनक रोजगार देकर आत्मनिर्भर बनाया है।

अनूपपुर की रीता बनीं मिसाल, 1 लाख की मदद से खड़ा किया ₹10 लाख का बिजनेस

महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की सबसे शानदार कहानी अनूपपुर जिले की रीता सिंह ने लिखी है। उन्होंने ग्रामीण अंचल में उपलब्ध औषधीय संसाधनों का उपयोग कर 'श्री ज्ञानम आंवला मुरब्बा एवं मसाला उद्योग' की शुरुआत की। रीता ने महज 1.04 लाख रुपये की सरकारी वित्तीय सहायता से अचार, पारंपरिक मसाले, बेकरी उत्पाद और आंवला मुरब्बा प्रसंस्करण का काम शुरू किया। उनके उत्पादों की शुद्धता के कारण बाजार में इसकी मांग तेजी से बढ़ी। आज रीता सिंह 10.00 लाख की शुद्ध वार्षिक आय हासिल कर क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं के लिए स्वरोजगार की सड़से बड़ी रोल मॉडल बन चुकी हैं।

संक्षिप्त खबरें

युवा कांग्रेस ने डिप्टी सीएम के बंगले पर उड़ाए नकली नोट

जागरण, भोपाल। युवा कांग्रेस ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के बंगले के बाहर बुधवार को नकली उड़ा कर प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश के सरकारी खजाने में 600 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप लगाया। दोपहर करीब 2 बजे एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रतीकात्मक रूप से नोटों की गड़ियां लेकर पहुंचे। उन्होंने वित्त मंत्री को नोट सौंपने के लिए बंगले के अंदर जाने की पुलिसिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद प्रदर्शकारियों ने हवा में नोट उड़ा दिए।

पुलिस ने कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर टीटी नगर थाने पहुंचाया। प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी बंगले के बाहर सड़क पर काफी देर तक नोट बिखरे रहे। मौके पर मौजूद लोगों ने इसका वीडियो भी बनाया। अभिषेक परमार ने आरोप लगाया कि वित्त विभाग के अधीन सरकारी खजाने में करीब 600 करोड़ रुपए की गड़बड़ी हुई है। उनका कहना था कि मामले में छोटी मछलियों पर कार्रवाई की गई, लेकिन जिम्मेदार बड़े लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई। **देवड़ा बोले:** नोटों को पैरों के नीचे फेंका: प्रदर्शन को लेकर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदर्शकारियों ने भारतीय मुद्रा का अपमान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटों को पैरों के नीचे फेंका गया, जिससे कांग्रेस की सोच और स्तर का पता चलता है। सरकारी भुगतान में गड़बड़ी को लेकर देवड़ा ने कहा कि गलत जगह फंड ट्रांसफर होने का मामला वित्त विभाग के सॉफ्टवेयर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए पकड़ा था। उनके मुताबिक, मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। रिकवरी भी जारी है। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

विसं, भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास में रेलवे अंडरपास में जलभराव के दौरान बैरिकेड हटाकर स्कूल वैन निकालने और विद्यार्थियों की जान जोखिम में डालने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है। डॉ. यादव ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के मद्देनजर जिला प्रशासन एवं पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लापरवाह मैजिक चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, साथ ही स्कूल संचालक के विरुद्ध भी वैधानिक प्रकरण दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि 25 अगस्त को देवास के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित रेलवे अंडरब्रिज में भारी वर्षा के कारण जलभराव होने पर पुलिस द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से स्टॉपपर लगाकर आवागमन प्रतिबंधित किया गया था। इसके बावजूद सिटी कॉन्वेंट स्कूल के मैजिक वाहन कार्डेस ने स्टॉपपर हटाकर वाहन को पानी में उतार दिया। वैन पानी में बंद होने पर चालक बच्चों को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। सूचना मिलते ही स्थानीय नागरिकों, डायल-112 और सिविल लाइन थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रस्सी के सहारे सभी स्कूली बच्चों को सुरक्षित वाहन निकाला।

मां से बड़ा कोई गुरु नहीं, भाई-बहन से बड़ा कोई रिश्ता नहीं: रामेश्वर शर्मा



विसं भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व प्रोटेम सीकर एवं विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा है कि संसार में मां से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता और न ही भाई-बहन से बड़ा कोई रिश्ता हो सका है। रक्षाबंधन का पर्व विश्वास, आत्मीयता और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने वाला पर्व है। विधायक शर्मा बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हुजुर विधानसभा क्षेत्र में बहनों के साथ रक्षाबंधन का यह आत्मीय संबंध वर्षभर चलने वाले जनसेवा के संकल्प को और मजबूत करता है। बहनों का स्नेह उन्हें क्षेत्र के विकास और जनसेवा के कार्यों के लिए निरंतर प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की प्रत्येक बहन और परिवार के सुख-दुख में सहभागी बनना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि हर वर्ष लाखों बहनों का स्नेह और आशीर्वाद उन्हें प्राप्त होता है। एक जनप्रतिनिधि के तौर बहनों का विश्वास और उनका आशीर्वाद उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने जिस आत्मीयता और स्नेह के साथ उन्हें राखी बांधी है,उत्तके प्रति वे आजीवन ऋणी रहेंगे। कार्यक्रम में लगभग 15 हजार बहनों से विधायक रामेश्वर शर्मा को राखी बांधी। इस मौके पर काफी संख्या में महिलाओं और आमजनों ने भाग लिया।

ऑपरेशन मुस्कान

दूसरे राज्यों से खोजीं 12 नाबालिग बालिकाएं

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश पुलिस ने गुम और अपहृत नाबालिग बच्चों को खोजकर उनके घर तक पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में जाकर 12 नाबालिग बालिकाओं को ढूंढकर उनके परिजनों से मिला दिया है। इसके लिए पुलिस ने अन्य राज्यों की स्थानीय पुलिस के साथ तालमेल कर संभाषित ठिकानों पर दबिश दी। इससे पहले पुलिस ने इन लापता बच्चियों की लोकेशन खोजने के लिए सीसीटीवी, मोबाइल सर्विलांस और अन्य तकनीकों का सहारा लिया। इस दौरान पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं को बहला-फुसला कर ले जाने वाले आधा दर्जन आरोपियों को भी हिरासत में लिया है।

इन जिलों की लापता बेटियां लौटीं

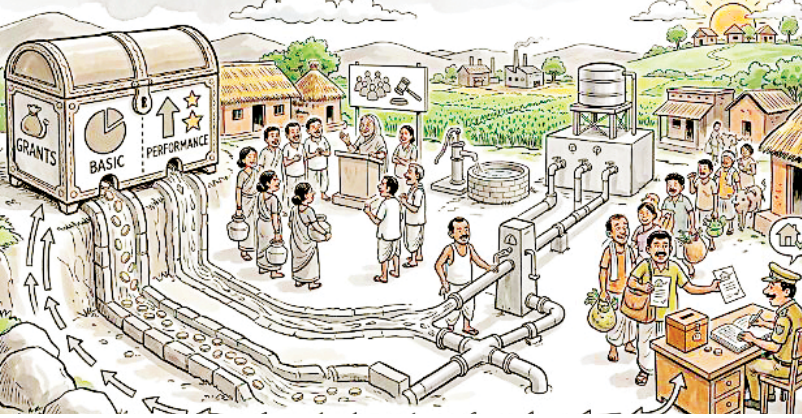
उज्जैन: यहाँ की नागदा पुलिस ने मोबाइल सर्विलांस की मदद से लापता 12 नाबालिग बच्चों को 2,000 किलोमीटर दूर तमिलनाडु के कोयंबटूर से खोज निकाला। पुलिस ने इस बेटों को उनके परिजनों को

राजनीतिक/प्रशासनिक

23 हजार पंचायतों को दो हिस्सों में मिलेगा अनुदान 80 फीसदी बेसिक और 20 प्रतिशत परफॉर्मेंस ग्रांट

हर परिवार से 1200 रुपए टैक्स कलेक्शन का टारगेट, केवल चुनिंदा कामों पर होगा खर्च

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में पंचायतों के विकास के लिए अब दो हिस्सों में अनुदान की राशि दी जाएगी। 16वें वित्त आयोग के तहत प्रदेश की सभी ग्राम, जनपद और जिला पंचायतों को 2026-27 से 2030-31 तक मिलने वाला अनुदान अब सामान्य खर्च के साथ ही विकास और प्रदर्शन के आधार पर दिया जाएगा। वित्त आयोग पहली किस्त के रूप में पंचायतों को 80 फीसदी राशि बेसिक के रूप में जारी करेगा। इस रकम के सही ढंग से खर्च होने पर ही अब परफॉर्मेंस ग्रांट की शेष 20 प्रतिशत राशि जारी होगी। इसके साथ ही आयोग ने यह साफ कर दिया है कि बेसिक ग्रांट की आधी रकम पंचायतों के पेयजल, स्वच्छता और जल संरक्षण पर खर्च होगी, जबकि बाकी रकम पंचायतें अपनी मर्जी से खर्च कर सकेंगी। आयोग के फैसले के बाद प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सभी पंचायतों को निर्देश जारी कर यह साफ कर दिया है कि उन्हें ग्रांट तभी मिलेगी जब उनका पिछले 2 वित्त वर्ष का ऑडिट होगा और पंचायतों के बैंक खाते ऑनलाइन सॉटिफाइड होंगे। इसके साथ ही यह भी साफ कर दिया गया है कि 2026-27 की पहली किस्त पाने के लिए 14वें वित्त आयोग की कोई भी राशि पंचायतों के पास शेष नहीं होनी चाहिए।



हर घर से 1200 का टैक्स कलेक्शन होने पर ही मिलेगी परफॉर्मेंस ग्रांट

बए नियम के तहत यह साफ कर दिया गया है कि ग्राम पंचायत को अब पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अपनी कमाई को 2.5 फीसदी बढ़ाना होगा। इसके लिए यह टारगेट रखा गया है कि हर परिवार से औसतन कम से कम 1200 रुपए का राजस्व वसूला जाए। इसके अलावा, जनपद पंचायतें तभी ग्रांट की पात्र होंगी जब उनके अधिकार क्षेत्र की कम से कम 75न ग्राम पंचायतों ने आयोग के मानक पूरे किए हों।

केवल इन कामों में खर्च होगा अनुदान

पेयजल आपूर्ति, जल स्रोतों की सुरक्षा, टंकी या जल स्रोतों के पास की फेंसिंग, सफाई, मैपिंग, बोरेवेल, हैंडपंप, पंप, मोटर, वाल्व की मरम्मत, पाइपलाइन, आपातकालीन मेंटेंसंस, ओवरहेड टैंक की सफाई, स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, बस स्टैंड में नल कनेक्शन, क्लोरीन डोजर, जल परीक्षण कट, बल्क वाटर टैक्स का भुगतान, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का संचालन, नल-जल मित्र एवं ऑपरेटर को मानदेय, बिजली बिल भुगतान, सोलर पैनल की स्थापना, जल बजट, जल चौपाल, ऑडिट और योजना तैयार करने का खर्च, सामुदायिक परिसर का मेंटेंसंस, अस्थायी शौचालय, गोवर्धन प्रोजेक्ट, स्वच्छता कर्मियों का मानदेय, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट।

अभियोजन की स्वीकृति नहीं देने वाली सरकार हो बर्खास्त: जीतू

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है,जिसमें उन्होंने कर्नल सौफिया के खिलाफ अभियोजनक के टिप्पणी करने वाले मंत्री विजय शाह के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति नहीं देने वाली राज्य सरकार को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में पूरा मंत्रिमण्डल दोषी हैं। पटवारी ने पत्र में आरोप लगाया कि सरकार एक बड़बोले मंत्री को राजनीतिक संरक्षण दे रही है। सत्तारूढ़ दल एक राजनीतिक व्यक्ति को जवाबदेही से बचाने के लिए न्यायिक प्रक्रिया में बाधा डाल रहा है। उन्होंने पत्र में कहा कि यह मध्यप्रदेश के राजनीतिक इतिहास का बेहद शर्मनाक अध्याय है। मामला केवल जनजाति कार्य मंत्री के आचरण तक सीमित नहीं है,बल्कि मुख्यमंत्री और पूरी कैबिनेट की संवैधानिक और नैतिक जवाबदेही से जुड़ा है। इसलिए मुख्यमंत्री सहित पूरी कैबिनेट ने अभियोजन स्वीकृति देने से इंकार कर नेता ने कहा कि राष्ट्रपति, सेना और संविधान का सर्वोच्च संरक्षक हैं। देश की

जनता उनसे संविधान की गरिमा, न्यायिक प्रक्रिया की स्वतंत्रता और भारतीय सेना के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाने की उम्मीद करती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि केन्द्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट करेंगे और राजनीतिक प्रभाव को न्यायिक प्रक्रिया में बाधा नहीं बनने देंगे।

नेता प्रतिपक्ष ने लिखा राज्यपाल को पत्र

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल को पत्र लिखकर मंत्री विजय शाह के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति पर निर्णय लेने का आग्रह किया है। उन्होंने सवाल किया कि मंत्री के लिए अलग कानून क्यों है, जबकि इस गंभीर मामले में गलित एसआईटी अभियोजन की मांग काफी समय से कर रही है, लेकिन मंत्री को बचाने के लिए प्रदेश सरकार ने अभियोजन स्वीकृति देने से इंकार कर दिया। इससे सरकार की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

शिक्षकों के लिए भूख हड़ताल करेंगे: दिग्विजय

आंदोलनरत शिक्षक अभ्यार्थियों के बीच पहुंचे पूर्व सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह शिक्षक भर्ती -2025 में पद बचाने को लेकर आंदोलनरत अभ्यार्थियों के समर्थन में भूख हड़ताल करेंगे। बुधवार को सिंह राजधानी के नीलम पार्क में चल रहे आंदोलन स्थल पर पहुंचे और मांगों का समर्थन किया। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे अभ्यार्थियों का समर्थन करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि शिक्षक दिवस तक सरकार मांगे पूरी नहीं करती है,तो वे खुद 24 घंटे की भूख हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि रिक्त पद होने के बाद भी सरकार भर्ती में पद नहीं बढ़ाना चाहती है, जो पूरी तरह से युवाओं के साथ अन्याय है। सरकार को इस मामले में जल्द ही निर्णय लेना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य उनके लिए हमेशा प्राथमिकता रहे हैं, चाहे प्रदेश में उनके नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार रही हो,या फिर वे राज्यसभा सदस्य रहे हो। उनके



मुख्यमंत्री कार्यकाल के समय गांवों तक शिक्षा पहुंचाने के लिए बड़ी संख्या में स्कूल खोले गए और स्थानीय स्तर पर शिक्षकों की भर्ती की व्यवस्था की गई थी। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव का उसर उन शिक्षकों पर पड़ रहा है,जिन्होंने लंबे समय तक पुराने पाठ्यक्रम के आधार पर सेवाएं दी हैं और अब नए पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षा देने की स्थिति में हैं। कांग्रेस नेता ने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि जब प्रदेश में शिक्षकों

सबकी योजना सबका विकास के तहत बनेगा प्लान

अब ग्राम पंचायतों के लिए बनने वाला प्लान केवल पंचायत की ग्राम सभा में ही बनाया जाएगा। हर पंचायत की आम सभा में तय किए गए प्लान को ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। इसी तरह जनपद और जिला पंचायत का प्लान भी साधारण सभा में पास कर राज्य सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को ऑनलाइन भेजा जाएगा। 16वें वित्त आयोग में सबसे अधिक फोकस पंचायतों की वाटर सप्लाई पर किया गया है। इसमें यह साफ कर दिया है कि अब ग्राम पंचायतें ब्लीचिंग पाउडर, टेस्ट किट आदि खरीदें, जबकि जनपद स्तर पर पंप-मोटर-वाल्व और स्पेयर पार्ट्स की खरीदी होगी। इसके अलावा जिला स्तर पर बड़े उपकरणों की खरीद की जाएगी। इसका मकसद यही है कि पेयजल आपूर्ति में आने वाली छोटी सी परेशानी के लिए ग्रामीणों को जिला स्तर से मदद के लिए इंतजार न करना पड़े।

इस फंड से इन कामों की अनुमति नहीं

नियमित सरकारी कर्मचारियों का वेतन, वाहनों की खरीद, कार्यालय भवनों का निर्माण, व्यक्तिगत लाभार्थियों को भुगतान, धार्मिक संरचनाओं का निर्माण या मरम्मत, खेलकूद या सामान्य सांस्कृतिक कार्यक्रम।

बाबा साहब का कांग्रेस ने हमेशा किया अपमान, चुनाव भी हरवाया: खंडेलवाल

अनुसूचित जाति, किसान एवं युवा मोर्चा के प्रदेश पादधिकारियों को किया संबोधित



रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा देशभर में चलाया जा रहा समरसता संकल्प अभियान सामाजिक एकता और समरसता का व्यापक संदेश दे रहा है। युवा पीढ़ी जब समताल पुछे, तो कार्यकर्ता उन्हें हमारी सरकारों के कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी तथयों के आधार पर दें, ताकि वे हर बात को सही ढंग से समझ सकें। समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलें और संगठन तथा समाज के बीच मजबूत सेतु की भूमिका निभाएं।

किसान मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को ‘किसान वर्ष’ घोषित किया है। पिछला वर्ष उद्योगों को समर्पित था, जबकि इस वर्ष किसानों के हित, कल्याण और सशक्तिकरण को

7 दिन होंगे रासलीला समारोह, प्रदेशभर में किए जाएंगे आयोजन

विसं भोपाल। रक्षाबंधन, बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश में विभिन्न आयोजन होंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, संस्कृति, किसान कल्याण तथा कृषि विकास,महिला एवं बाल विकास,लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, पर्यटन, जेल, गृह, पशुपालन, जनजातीय कार्य विभाग सहित कमिश्नर और कलेक्टर्स को निर्देश जारी किए है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र अनुसार रक्षाबंधन पर्व 28 अगस्त, 2026 को सामाजिक रिश्तों से प्रकृति तक विस्तार कर जल, प्रकृति और पर्यावरण से गहन संबंध के रक्षण का संकल्प एवं आह्वान के लिए विभिन्न वर्ग को जोड़ने के लिए एक राखी एक संकल्प, रक्षासूत्र एक राखी एक रिश्ता, पेड़ को राखी-प्रकृति से भाईचारा जैसी गतिविधियाँ जनसहभागिता के साथ आयोजित की जाएगी। छात्रों के लिए स्कूलों में प्रकृति की रक्षा के लिए कहानी, पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में प्रसंग के अनुरूप आयोजन होंगे। बलराम जयंती 2 सितम्बर 2026 के अवसर पर बलराम कृषि महोत्सव के तहत कृषि संबंधी पारंपरिक कलारूपों की विशेष प्रस्तुतियों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण एवं बीज और प्राकृतिक खेती केन्द्रित प्रदर्शनी, सह-संवाद जैसी गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी।

बाबा साहब का कांग्रेस ने हमेशा किया अपमान, चुनाव भी हरवाया: खंडेलवाल

प्राथमिकता दी जा रही है। ऐसे में किसान मोर्चा की भूमिका और जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। किसान मोर्चा किसानों की आवाज बनकर संगठन और सरकार के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करता है। हमारा प्रयास है कि सरकार और संगठन की योजनाओं, निर्णयों एवं उपलब्धियों की जानकारी प्रदेश के प्रत्येक किसान तक पहुंचे। किसान मोर्चा लंबे समय से किसानों के हितों और उनकी समस्याओं को लेकर सक्रियता से कार्य करता रहा है और आने वाले समय में भी उसे इसी प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभानी होगी। इसी तरह खण्डेलवाल ने युवा मोर्चा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता देश और मध्यप्रदेश के युवाओं का भविष्य संवारने के लिए खुद को समर्पित करें, तभी समाज में आप की स्वीकारोक्ति और बढ़ेगी। समाज में सकारात्मक तथय पहुंचाएं, नकारात्मकता बहुत समय तक नहीं चलती। समाज में सकारात्मक मुद्दों को लेकर राजनीति करने वाले, कार्य करने वाले आज भी याद किए जा रहे हैं और जिन्होंने नकारात्मकता को बढ़ावा दिया, नकारात्मकता को अपनी राजनीति का जरिया बनाया, उन्हें आज कोई याद नहीं करता।

43 अनुकंपा संविदाकर्मी किए गए नियमति

विसं भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि विद्युत कंपनियों में दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को अनुकंपा आधार पर संविदा पदों पर दी गई नियुक्तियों को नियमित करने की प्रक्रिया में 43 अनुकंपा संविदाकर्मियों को नियमित नियुक्ति प्रदान की है। यह कदम कर्मचारी कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य अधिन्यात मानव संसाधन एवं प्रशासन धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि दिवंगत कार्मिकों के आश्रितों को मध्यप्रदेश पाँवर ट्रांसमिशन कंपनी की अनुकंपा नियुक्ति नीति-2018 एवं संशोधित नीति-2023 के प्रावधानों के तहत संविदा पदों पर नियुक्त किया गया था। कंपनी द्वारा 2026 की अनुकंपा आधार पर संविदा पदों पर नियुक्त कार्मिकों की समकक्ष नियमित पद पर नवीन नियुक्ति योजना के अंतर्गत ऐसे पात्र संविदा कर्मियों को नियमित पदों पर नियुक्ति प्रदान की गई है।

कोलार रॉ वाटर फिल्टर प्लांट

शुरू, हर घर पहुंचेगा साफ पानी

6 नए रॉ वाटर और 6 नए क्लियर वाटर पंप हाउस लगाए

जागरण संवाददाता, भोपाल। 2040 तक भोपाल शहर के हर घर में नियमित साफ पानी उपलब्ध कराने और कोलार फिल्टर प्लांट की क्षमता को 170 एमएलडी से बढ़ाकर 220 एमएलडी कर दिया गया है। बुधवार को महापौर मालती राय ने केंद्र सरकार की अमृत-2.0 परियोजना के तहत कोलार रॉ वाटर फिल्टर पंप हाउस की क्षमता में 50 एमएलडी (मिलियन लीटर डेली) का विस्तार कर दिया। जिसके तहत महापौर ने कोलार फिल्टर प्लांट में स्थापित नए मोटर पंपों का बटन दबाकर उद्घाटन किया। जिसके तहत कोलार जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 6 नए रॉ वाटर (शुद्ध जल) और 6 नए क्लीयर वाटर (शुद्ध जल) पंप स्थापित किए गए हैं। फिल्टर प्लांट की क्षमता बढ़ाने से आगेले डेढ़ दशक तक भोपाल शहर को कोलार से पीने के लिए पर्याप्त



पानी मिलता रहेगा। वर्तमान में कोलार परियोजना के जरिए 68 ओवर हेड टैंक भरे जाते हैं, जिससे शहर की लगभग 38 प्रतिशत आबादी को पानी मिलता है। पंपों की क्षमता बढ़ने के बाद शहर की नवनिर्मित टैंकों को भी इस नेटवर्क से जोड़कर आम इलाकों में भी पानी की आपूर्ति की जाएगी। गौरतलब है कि अमृत-2.0 योजना के तहत भोपाल में वाटर सप्लाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 432 करोड़ रुपए के कार्यों की स्वीकृति दी गई थी।



संस्थापक ─ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

नौकरियों का बढ़ता अभाव युवाओं के लिए संकट

इस बात को कुछ हफ्ते बीत चुके हैं जब युवाओं के आंदोलन के चलते सरकार को परीक्षा सुधार के लिए छात्रों की मांगें माननी पड़ीं, जिसकी गुंज प्रधानमंत्री के स्वाधीनता दिवस भाषण में भी सुनायी दी। इसमें उन्होंने भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी-ढांचे का इस्तेमाल करके प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग का एलान किया। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि विद्यार्थी क्यों इसका स्वागत करेंगे- एक भारतीय परिवार एक बच्चे की शिक्षा पर जितना खर्च करता है उसमें निजी कोचिंग का हिस्सा साल 2018 के 12.5 फीसदी के मुकाबले 16 फीसदी हो चुका है। वहीं उच्च माध्यमिक स्तर के सालों में, जब छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, तो यह उस बजट का लगभग एक-चौथाई हो जाता है। सस्ती कोचिंग सीमित महत्व की है क्योंकि गुणवत्तापूर्ण पेशेवर शिक्षा मुझी भर संस्थानों तक सिमटी हुई है। मसलन, इस साल लगभग 1.4 लाख स्नातक सीटों के लिए मेडिकल प्रवेश परीक्षा में 22 लाख से ज्यादा उम्मीदवार शामिल हुए, लेकिन शीर्ष 50 कॉलेजों में सीटों की तादाद 10,000 से भी कम थी।

यही स्थिति इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की है। शायद यही वजह है कि शैक्षणिक वर्ष 2023–24 में स्नातक दाखिले में 93,322 की गिरावट आयी, खास तौर पर युवकों के बीच। सबसे तेज गिरावट उत्तर प्रदेश में रही, जहां स्नातक दाखिले में 1.53 लाख की कमी आयी, जबकि डिलोमा दाखिले में 1.38 लाख की बढ़ोतरी हुई। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के इकाई-स्तरीय डेटा के विश्लेषण में पाया गया कि साल 2025 में 15 से 29 की उम्र के हर 100 स्नातकों में से सिर्फ 26 ही नियमित वेतन वाले रोजगार में थे, और महज चार के पास अनुबंध और सामाजिक सुरक्षा के साथ वेतन वाली नौकरी थी। इसलिए युवाओं के रोजगार का संकट के दो सिरें हैं- एक नौकरियों की तैयारी में, और दूसरा खुद नौकरियों में। केवल मुफ्त कोचिंग से इनमें से किसी का निवारण नहीं होगा।

किसी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा पीढ़ी की आंखों में पलते सपने होते हैं। मगर जब देश की कुल आबादी में एक बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई, रोजगार और प्रशिक्षण- तीनों से बाहर खड़े हों तो यह केवल एक आंकड़ा नहीं रह जाता। यह सरकार के उन दावों को आईना दिखाता सवाल है जिसे अक्सर अर्थव्यवस्था की चमकती तस्वीर से ढकने की कोशिश की जाती है। गौरतलब है कि नीति आयोग ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि देश में 15 से 29 वर्ष की आयु के करीब आठ करोड़ सत्तर लाख युवा ऐसे हैं जो न तो कोई पढ़ाई कर रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अगर इतनी बड़ी संख्या में युवा एक तरह से खाली बैठे हैं तो आखिर किस आधार पर सरकार की ओर से यह दावा किया जाता है कि युवा आबादी ही देश की ताकत है और वही भविष्य की दिशा तय करेगी।

मैन्यूफैक्चरिंग भारत के कॉलेज स्नातकों को रोजगार देने के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र है, लेकिन यह सकल मूल्य संवर्धन का लगभग छठा हिस्सा बना हुआ है। यह अर्थव्यवस्था के एक चौथाई के आसपास भी नहीं पहुंच सका है, इस बीच, निजी क्षेत्र अपने कार्यभार से पीछे हट रहा है। केंद्र सरकार को जिन कदमों को उठाने की जरूरत है वे साफ हैं- औद्योगिक क्षमता में सार्वजनिक निवेश और ऐसे नियमों में कमी लाना जो उद्यमों को निशाना बनाते लगते हैं, जिससे नौकरी देने वाली मझोले आकार की कंपनियां खास तौर पर प्रभावित होती हैं। यह रास्ता अपनाने से युवाओं को उस पैमाने पर नौकरियां मिलने की बेहतर संभावना है जिसकी हमें जरूरत है और जैसा कि विद्येताना जैसी देशों ने करके दिखाया है। सरकारें घोषणाओं से उम्मीदें जगा सकती हैं मगर युवाओं को ऐसे कोशल और रोजगार के वास्तविक अवसरों की जरूरत है ।

प्रसंगवश

पैरोल-फरलो देने के औचित्य पर उठ रहे सवाल

जिन नियम-कायदों के तहत डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख राम रहीम को इस तरह की छूट बार-बार दी जा रही है, क्या सरकार यह दावा करने की सक्ति में है कि इस मामले में वह पूरी तरह तटस्थ और न्याय के तकाजे के मुताबिक काम कर रही है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जो कानून या नियम-कायदे कभी आपात स्थिति या बहुत जरूरी होने पर ही प्रयोग किए जाने के लिए बनाए गए होंगे, उन्हें कई बार कुछ खास लोगों को विशेष सुविधा मुहैया कराते हैं और जैसा कि विधेताना जैसी देशों ने करके दिखाया है। कानून का दुरुपयोग है और जब लगातार ऐसा होता है, तो सवाल उठता है कि क्या सरकार नागरिकों के प्रति किसी कानून को बरतने के मामले में अपने स्तर से भी भेदभाव करती है। वरना क्या वजह है कि जघन्य अपराधों में दोषी ठहराए गए किसी सजायापनता को सिर्फ इसलिए बार-बार किसी कानून का लाभ दिया जाता है कि वह ऊंची रसूख वाला है या फिर उसकी ख़ासी राजनीतिक गैरेंट है? गौरतलब है कि हरियाणा के गिरिसा स्थित डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख पुरमीत राम रहीम को एक बार फिर इक्कीस दिन की फरलो दी गई है। यानी फिर से राम रहीम रोहतक जेल से बाहर निकल कर अपने आश्रम में रहेगा। इससे पहले भी उसे बारह बार पैरोल और पांच बार फरलो की सुविधा मिल चुकी है। ऐसा लगता है कि राम रहीम अपनी सजा को सिर्फ औपचारिकता भर के लिए अपनी सुविधा के मुताबिक काट रहा है और उसे जब जरूरत पड़ती है, वह किसी न किसी बहाने जेल से बाहर आने का रास्ता बना लेता है।

सवाल है कि जिन नियम-कायदों के तहत राम रहीम को इस तरह की छूट बार-बार दी जा रही है, क्या सरकार इस मामले में पूरी तरह तटस्थ और न्याय के तकाजे के मुताबिक काम कर रही है। बलाकाल और हत्या जैसे जघन्य अपराध में जिस व्यक्ति को सजा हुई, उसे लेकर इस स्तर पर जाकर नरमी बरतने का आखिर क्या कारण है? इस पर सरकार की सफाई है कि राम रहीम को इस तरह की रिहाई नियमों के तहत दी जाती है।

क्या सरकार गंभीर अपराधों की सजा काटने वाले अन्य लोगों के प्रति भी समान मानकों के तहत ऐसा ही रख अपनाती है? फिर किसी भी कैदी को लेकर इतना उदार रवैया दिखाने की क्या वजह हो सकती है कि पिछले दस साल में उसे सत्रह बार कभी पैरोल पर, तो कभी फरलो पर जेल से बाहर अपना समय सुविधाजनक तरीके से काटने की छूट दी जाती है? यों राम रहीम को इस तरह जेल से बाहर रहने की सुविधा मुहैया कराते हुए शायद केवल उसकी जरूरतों का ही ध्यान रखा जाता है। मगर एक विचित्र संयोग यह भी देखा गया है कि जब भी उसके प्रभाव क्षेत्र में चुनाव होने वाले होते हैं, तब आमतौर पर उसे ख़ासी अवधि के लिए पैरोल या फिर फरलो की सुविधा मिल जाती है। फिलहाल पंजाब में विधानसभा चुनावों का समय करीब है और कई उत्तरी राज्यों सहित हरियाणा तथा पंजाब में राम रहीम के अनुयायी बड़ी संख्या में हैं। ऐसे में आरोप लगते रहे हैं कि राम रहीम को चुनावी लाभ उठाने के मकसद से बार-बार जेल से बाहर निकलने की इजाजत दी जाती है। सरकार को शायद इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि राम रहीम के प्रति इस तरह उदारता बरतने के क्रम में कानून की मनमाणी व्याख्या करने की वजह से न्याय की अवधारणा को किस स्तर पर चोट पहुंच रही है। अकाल तख्त और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने इस रिहाई की कड़ी आलोचना की है। उनका तर्क है कि जिन सिख कैदियों (बंदी सिंह) ने अपनी सजा पूरी कर ली है, उन्हें रिहाई नहीं मिलती, जबकि गंभीर अपराध के दोषी को बार-बार छूट दी जा रही है। आलोचकों का मानना है कि इस तरह की उदारता से आम जनता के मन में न्याय की अवधारणा और कानून की समानता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।



परिसीमन बिल

भारत की तरक्की का अगला चरण टांचागत सुधारों पर निर्भर करता है

बिल से पहले टांचागत सुधारों पर बात हो

शंकर अय्यर

संसद के मानसून सत्र में 19 बैठकों में 11 बिल पास किए गए। इनमें से दस बिलों पर लोकसभा में कुल मिलाकर 64 मिनट का समय लगा। नौ बिलों के मामले में, सिर्फ उन्हें पेश करने वाले मंत्री ने ही बात की और कोई बहस नहीं हुई। निचले सदन में पूरे सत्र के दौरान प्रश्नकाल सिर्फ नौ मिनट चला, जो तय समय का महज एक प्रतिशत ही था, और मौखिक जवाब के लिए सूचीबद्ध किए गए 380 सवालों में से सिर्फ दो के जवाब दिए गए। इस खराब रिकॉर्ड की वजह से सांसदों की संख्या बढ़ाने की कोशिशों पर ध्यान गया है।

अजीब बात यह है कि इस सत्र में सरकार जिस एक बिल को पेश नहीं कर पाई, वह संसद के विस्तार से जुड़ा था, यानी ‘परिसीमन बिल, 2026’। यह बिल लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने वाला था, लेकिन यह राजनीति और आंकड़ों के फेर में उलझकर रह गया। लोगों के बीच चर्चा खर्च को लेकर है। इसमें अतिरिक्त सांसदों का खर्च (जिसका अनुमान 1,500 करोड़ रुपये या उससे अधिक है) रहने-सहने का खर्च, बजट आवंटन में बढ़ोतरी और निश्चित रूप से विधायकों की संख्या बढ़ने से होने वाला अतिरिक्त खर्च वगैरह शामिल हैं। राज्यों को अलग-थलग महसूस कराने का खर्च भी है, क्योंकि वे इसे मुख्यधारा से खुद को दूर करने वाला कदम मानते हैं।

सबसे बड़ी बात तो यह है, जो हर सत्र के बाद उठती है कि सांसद लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं या पार्टियों का? चुनाव क्षेत्रों की संख्या बढ़ाने के पक्ष में यह तर्क दिया जाता है कि छोटे चुनाव क्षेत्रों का मतलब है-लोगों का ज्यादा करीबी प्रतिनिधित्व, और करीबी प्रतिनिधित्व का मतलब है बेहतर शासन-व्यवस्था। इस बात का पहला हिस्सा तो गणितीय है। दूसरा हिस्सा प्रतिनिधित्व से जुड़ा एक अनुभव-आधारित दावा है (चाहे वह लोगों का प्रतिनिधित्व हो या महिलाओं के अधिकारों का) और यह मौजूदा ढांचे तथा अब तक के कामकाज के रिकॉर्ड के आधार पर जो संभव है, उससे कहीं ज्यादा का दावा करता है। आखिर एक अतिरिक्त सदस्य असल में क्या कर सकता है! 7वीं अनुसूची रक्षा, विदेश मामले, मुद्रा, बैंकिंग और रेलवे को केंद्र के अधिकार क्षेत्र में रखती है, जबकि सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस, सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि, भूमि और स्थानीय सरकार राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। 10वीं अनुसूची उस सदस्य के अयोग्य ठहराती है, जो अपनी पार्टी के निर्देश के खिलाफ वोट करता है। दखल देने की गुंजाइश उस समय के राजनीतिक माहौल से सीमित होती है-इस सत्र में ‘ध्यानार्कषण प्रस्ताव’ और ‘स्थगन प्रस्ताव’ की

आस्था

कांवड़ यात्रा सिर्फ धार्मिक या कठिन तपस्या

विनीत नारायण

कांवड़ यात्रा को भगवान शिव के प्रति आस्था, तपस्या और आत्म-अनुशासन की यात्रा माना जाता है। इसके नियमों में सादगी, संयम, विनम्रता और नशे से दूरी को महत्व दिया गया है। लेकिन बदलते समय के साथ यात्रा में डीजे, दिखावे और उपद्रव जैसी तस्वीरें भी सामने आने लगी हैं। क्या कांवड़ यात्रा का मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूटता जा रहा है और भक्ति की जगह प्रदर्शन हावी हो रहा है? कांवड़ यात्रा भगवान शिव के भक्तों के लिए केवल गंगाजल लेकर शिवालय तक पहुंचने का रास्ता नहीं है, बल्कि इसे आस्था, धैर्य और आत्म-अनुशासन की कठिन परीक्षा भी माना जाता है। पुराणों में इसकी परंपरा समुद्र मंथन से जोड़ी जाती है। मान्यता है कि समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने अपने कंठ में धारण कर संसार की रक्षा की थी। विष के ताप को शांत करने के लिए देवताओं ने गंगाजल से उनका अभिषेक किया। परशुराम और शिव भक्त रावण से भी कांवड़ यात्रा की परंपरा जुड़ी हुई है। मौजूदा स्वरूप में इस यात्रा की परंपरा सत्रहवीं शताब्दी से शुरू मानी जाती है। आज युवाओं की बड़ी भागीदारी ने इसे विशाल जनआस्था के रूप में बदल दिया है। कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त से सादगी और संयम की अपेक्षा की जाती है। यात्रा को तपस्या मानने की वजह से कांवड़ियों को सामिप भोजन, नशे और सुख-सुविधाओं से दूर रहने की परंपरा बताई गई है। इसके साथ ही क्रोध, अहंकार, अनावश्यक बातचीत, विवाद और उत्तेजना से बचने पर जोर दिया जाता है। स्वयं कांवड़िया यात्रा के दौरान भगवान शिव का स्मरण करता हुआ विमग्न भाव से आगे बढ़ता है। इसका उद्देश्य केवल गंगाजल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना नहीं, बल्कि मन और व्यवहार पर नियंत्रण रखना भी है। यानी कांवड़ उठाने की असली कठिनाई पैरों की थकान से ज्यादा अपने आचरण को अनुशासन में रखने में मानी गई है।

भक्ति के साथ दिखावा भी बढ़ा : समय के साथ कांवड़ यात्रा का स्वरूप भी काफी बदला है। पहले इसमें प्रौढ़, बुजुर्ग और साधु-संन्यासी बड़ी संख्या में दिखाई देते थे। लोग साधारण कपड़ों में अपनी पारंपरिक वेशभूषा के साथ यात्रा करते थे। आज बड़ी संख्या में युवा इसमें शामिल होते हैं और यात्रा का आकार भी काफी बढ़ गया है। साथ ही आस्था के विस्तार की तस्वीर है, लेकिन इसके साथ कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं।

जीवन दर्शन

हम अक्सर कहते हैं कि हमें अज्ञात से डर लगता है, भविष्य अनिश्चित है, मृत्यु रहस्यमय है, इसलिए हम डरते हैं। लेकिन, क्या यह वास्तव में सच है? यदि आप बहुत ध्यान से अपने मन को देखें, बिना किसी निष्कर्ष और किसी सिद्धांत के, तो पाएंगे कि आपका भय अज्ञात से नहीं है। अज्ञात तो अज्ञात है। उसके बारे में तो आपको कुछ पता ही नहीं है। और, जिसे आप नहीं जानते, तो फिर उससे भय कैसे हो सकता है? भय तो हमेशा किसी ज्ञात स्थिति या वस्तु से जुड़ा होता है, जैसे-किसी स्मृति से या किसी अनुभव से। जब आप कहते हैं कि आपको मृत्यु से भय है, तो क्या वास्तव में आपको मृत्यु से भय होता है? आप मृत्यु को जानते तक नहीं। आपने उसे कभी अनुभव नहीं किया। मृत्यु से निपक रूप से आप इस ‘मैं’ से निपक करते हैं। कोई आप जिस चीज से डरते हैं, वह है, उन



सब चीजों को खो देना, जिन्हें आप जानते हैं-अपना परिवार, नाम, उपलब्धियां व स्मृतियां। यानी, भय मृत्यु का नहीं, ज्ञात के समाप्त हो जाने का है। मन का स्वभाव है, ज्ञात से चिपके रहना। आप एक दुखद रिश्ते में भी वर्षों तक रह सकते हैं, क्योंकि वह परिचित है। यही मनोवैज्ञानिक बंधन है। मन कहता है-मैं जानता हू कि मैं कौन हूँ। लेकिन, क्या आप जानते हैं? आपका ‘मैं’ क्या है? क्या वह स्मृतियों का संग्रह नहीं है। आपका नाम, आपकी प्रफल्ताएं और असफलताएं, अनुभव-इन सबका संचय ही आपका ‘मैं’ है। फिर स्वाभाविक रूप से आप इस ‘मैं’ से निपक करते हैं। कोई आपकी छवि को नुकसान पहुंचाता है,



खड़े होकर चाहते हैं कि जल बहना बंद कर दे। पर, नदी का स्वभाव बहना है। इसी तरह जीवन का स्वभाव भी परिवर्तन है। और, मन का स्वभाव पकड़ कर रखना। इन दोनों के बीच संघर्ष ही भय है। अब बात आती है कि क्या मन बिना कोई निष्कर्ष निकाले भय को देख सकता है? यदि आप ऐसा कर सकें, तो कुछ असाधारण होता है। आप पाते हैं कि देखने वाला और भय अलग-अलग

तो आपको चोट पहुंचती है।

ऐसे में, आप घबरा जाते हैं, क्योंकि ज्ञात, यानी ‘मैं’ हिलने लगता है। जहां सुरक्षा की खोज सत्य की खोज पर हावी हो जाती है, वहीं से भय शुरू हो जाता है। आप नदी में

खड़े होकर चाहते हैं कि जल बहना बंद कर दे। पर, नदी का स्वभाव बहना है। इसी तरह जीवन का स्वभाव भी परिवर्तन है। और, मन का स्वभाव पकड़ कर रखना। इन दोनों के बीच संघर्ष ही भय है। अब बात आती है कि क्या मन बिना कोई निष्कर्ष निकाले भय को देख सकता है? यदि आप ऐसा कर सकें, तो कुछ असाधारण होता है। आप पाते हैं कि देखने वाला और भय अलग-अलग

नहीं हैं। जब यह विभाजन समाप्त हो जाता है, तब संघर्ष समाप्त हो जाता है। और, जहां संघर्ष समाप्त होता है, वहां ऊर्जा मुक्त हो जाती है। उस ऊर्जा में एक नई बुद्धिमत्ता जन्म लेती है। तब मन ज्ञात से चिपका नहीं रहता। वह हर क्षण नया होने के लिए तैयार रहता है। उसी दिन भय की जड़ हिलने लगती है। तब पहली बार मन वास्तव में स्वतंत्र होता है, क्योंकि वह अब ज्ञात की जेल में नहीं रह रहा होता। भय अज्ञात से नहीं, बल्कि ज्ञात को खोने की चिंता से जन्म लेता है। हम स्मृतियों, रिश्तों, पहचान और उपलब्धियों को पकड़कर सुरक्षा खोजते हैं, जब हम बिना निष्कर्ष निकाले अपने भय को देखते हैं, तो चिन्मय और भय का संबंध समझ में आता है। संघर्ष समाप्त होते ही भीतर की ऊर्जा मुक्त होती है।

जिहू कृष्णमूर्ति

इथेनॉल मोह और फजीहत में चाय की प्याली

आलोक पुराणिक

देश में इन दिनों चीनी की मिठास कुछ कम और उसकी कीमत कुछ ज्यादा हो गई है। सरकार ने सफाई दी है कि चीनी के दाम बढ़ने का कारण इथेनॉल नहीं, बल्कि चीनी उत्पादन में कमी है। यानी गन्ना खेत में कम हुआ, तो चीनी महंगी हो गई। जनता ने पूछा, ‘साहब, फिर इथेनॉल का क्या कसूर?’ सरकार बोली, ‘वह तो पेट्रोल में मिलकर देश की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ा रहा है, आप इथेनॉल में क्यों दूढ़ रहे हैं?’

दरअसल, गन्ने की दुनिया में भी परिवार बड़ा हो गया है। पहले गन्ने से चीनी बनती थी, अब इथेनॉल भी बनता है। गन्ना किसान सोचता है, ‘जिसकी कीमत अच्छी मिले, उसे बेच दूं।’ पेट्रोलियम मंत्रालय कहता है, ‘इथेनॉल देश बचाएगा।’ चीनी उद्योग कहता है, ‘चीनी भी देश बचाएगी।’ और गृहिणी कहती है, ‘पहले चाय बचाओ।’ अर्थशास्त्र का यही कमाल है। एक ही गन्ना किसान के लिए आय है, सरकार के लिए ऊर्जा सुरक्षा है, चीनी मिल के लिए कारोबार है और ग्राहक के लिए महंगी मिठाई।

उधर दुनिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को लेकर लगातार बेचैन हैं। दुनिया में राष्ट्रपति बनना आसान है, लेकिन दुनिया को अपनी इच्छा के अनुसार चलाना बहुत कठिन काम है। ईरान कहता है, ‘हम अपनी शर्तों पर बात करेंगे।’ अमेरिका कहता है, ‘हमारी शर्तों पर बात करो।’ और तेल बाजार बीच में खड़ा होकर कहता है, ‘भाइयों, जरा धीरे बोलो, मेरा भाव बढ़ रहा है।’

भारत में इस बीच क्रिकेट ने अलग ही माहौल बना दिया। श्रीलंका के खिलाफ गाले में भारत ने 165 रन से जीत दर्ज की। मानव सुधार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दोनों पारियों में कुल 10 विकेट लेकर मैच को भारतीय कब्जे में कर दिया। हॉकी विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को 5-3 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अब भारतीय खेलप्रेमी के पास गर्व करने के कई कारण हैं। क्रिकेट में श्रीलंका हारा, हॉकी में पाकिस्तान हारा और पर चीनी महंगी हुई।

आम आदमी इस पूरे घटनाक्रम को देखकर बस इतना कह रहा है-‘खेल में भारत जीतता रहे, दुनिया में शांति बनी रहे और चीनी कम से कम इतनी महंगी न हो कि अगली बार मिठाई की दुकान पर दुकानदार पूछे, ‘कितने किलो?’ और ग्राहक जवाब दे, ‘बस फोटो खींचनी है।’

करे। डीजे, दिखावे या उपद्रव से यात्रा की भयत्ता भले बढ़ती दिखाई दे, लेकिन उसकी आध्यात्मिकता नहीं बढ़ती। असली कांवड़ वही है, जिसमें शरीर के साथ मन भी यात्रा करे। अगर कांवड़िया अपने व्यवहार की संयमित रखे, दूसरों का सम्मान करे और भगवान शिव के प्रति समर्पण के भाव से चले, तभी इस पवित्र यात्रा का उद्देश्य सही मायने में पूरा होगा। भगवान शिव को जलापंण का अभीष्ट लेकर निकले कांवड़ियों के समूह को आंखें बंद कर आत्मसात कीजिए। श्रद्धा-आस्था की वह धारा दिखेगी जो प्रयागराज के महाकुंभ में दिखाई देती है, अयोध्या में भगवान रामलला के मंदिर परिसर में दिखाई देती है, बांके बिहारी मंदिर प्रांगण में नजर आती है और काशी विश्वनाथ कारिडोर में दिखाई देती है। हिंदू समाज की आंतरिक समरसता, सर्वसमावेशिता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अद्भुत दृश्य वर्तमान में कांवड़ मार्ग पर सजीव है। सदियों पुरानी सामाजिक सीमाएं और असमानताएं आस्था के पावन जल में विसर्जित हो चुकी हैं। कंधे पर बंधी कांवड़ किसी की जाति नहीं पृच्छती। रास्ते के भंडारे किसी की कुल-गोत्र जांच के बाद प्रसाद नहीं बांटते। यह कांवड़ यात्रा के रूप में भारत के सामाजिक अवचेतन का एक जीवंत मानचित्र है और उत्तर प्रदेश इसका प्रतिनिधि राज्य है।

यह यात्रा सिद्ध करती है कि सनातन संस्कृति में ईश्वर की भक्ति हर उस आत्मा का सहज अधिकार है जो शिवत्व में विलीन होना चाहती है। शिव विष को अपने कंठ में धारण कर जगत की रक्षा करते हैं और औषड्दानि बनकर अपने हर भक्त पर समान रूप से अनुकंपा बरसाते हैं। कांवड़ मार्ग पर चलने वाला हर व्यक्ति ‘भोले का भक्त’ है। वहां उसकी कोई सामाजिक, आर्थिक या जातीय पहचान नहीं रह जाती। यह इस पूर्वग्रह को खारिज करता है कि भारत में सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीक उच्च जातियों के वर्चस्व को बनाए रखने के साधन रहे हैं। जब लाखों की संख्या में वॉचट और पिछड़े वर्ग के युवा शिवर्भाक के इस महायज्ञ का मुख्य ध्वजवाहक बनते हैं, तो वे सिद्ध करते हैं कि सनातन धर्म का वास्तविक ढांचा सहअस्तित्व और श्रावृत्य पर आधारित है। कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन के लिए की गई व्यापक व्यवस्थाएं, जैसे सुरक्षित और स्वच्छ मार्ग, चिकित्सा शिविर, विश्राम स्थल, प्रकाश व्यवस्था, और कांवड़ियों के भोजन-पानी के लिए उचित प्रबंध यह दर्शाते हैं कि सरकार आध्यात्म को सामाजिक सशक्तीकरण और समरसता का माध्यम मानती है। कांवड़ मार्ग पर लगने वाले सेवा शिविरों में जो सेवा भावना दिखाई देती है, वह समाज के भीतर से छुआछूत, ऊंच-नीच और वैमनस्य के भाव को जड़ से समाप्त कर देती है।

॥गीता ज्ञान॥



श्लोक

त्रैगुण्यविषया वेदा निस्त्रैगुण्यो भवार्जुन ।
निर्वन्द्वो नित्यस्वतन्त्रो नियोगक्षेमो आत्मवान् ॥

भावार्थ

हे अर्जुन! वेद तीनों गुणों के कार्य रूप समस्त भोगों का प्रतिपादन करने वाले हैं, इसलिए तू उन भोगों में आसक्तिहीन, हर्ष-शोकादि द्वंद्वों से रहित, नित्यवस्तु परमात्मा में स्थित योगी, क्षेम को न चाहने वाला और स्वाधीन अन्तःकरण वाला हो ॥

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

भोपाल

27.2

अधिकतम

इंदौर

28.4

अधिकतम

जबलपुर

30.2

अधिकतम

ग्वालियर

32.4

अधिकतम

न्यूनतम

23.4

न्यूनतम

23.3

न्यूनतम

26.3

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली

33.4

अधिकतम

मुंबई

31.5

अधिकतम

चेन्नई

38.3

अधिकतम

कोलकाता

32.0

अधिकतम

न्यूनतम

23.5

न्यूनतम

26.5

न्यूनतम

21.1

न्यूनतम

27.2

सूर्यास्त

6:45 PM

चन्द्रोदय

5:04 AM

सूर्योदय

6:00 AM

चन्द्रास्त

3:10 AM

17 साल से फरार 5 हजार का इनामी डकैत गिरफ्तार

जागरण, पन्ना। पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वर्ष 2009 से फरार चल रहे 5 हजार रुपए के इनामी डकैत रामबहोरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। 52 वर्षीय आरोपी रामबहोरी सतना जिले के कैलाशपुर थाना मझगवां का निवासी है और पन्ना व सतना जिले के कई गंभीर मामलों में वांछित था। कोतवाली टीआई रोहित मिश्रा के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पन्ना के जंगलों में बीटगाइड्स से बंदूक छीनने और एक समिति प्रबंधक से लूटपाट के मामले दर्ज थे। 11 नवंबर 2009 जमुनहाई बीट के गार्ड लक्ष्मण सिंह और राजनारायण विश्वकर्मा जब बोलियादार नर्सरी में मजदूरों की हाजिरी ले रहे थे, तब रामबहोरी ने अपने साथियों के साथ उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देकर गार्ड्स की लाइसेंसी बंदूक, कारतूस, मोबाइल, पर्स और नगदी छीन ली थी। इस मामले में 9 आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके थे, जबकि मुख्य आरोपी रामबहोरी 17 सालों से फरार चल रहा था। वहीं बीटगाइड्स की घटना से ठीक छह दिन पहले 5 नवंबर 2009 को बराछ बांध के मोड़ पर बदमाशों ने गौरा गांव के समिति प्रबंधक मनोहर सिंह को रोका था और उनसे 7,500 रुपए नगद व मोबाइल लूट लिया था। इस वारदात में भी रामबहोरी मुख्य आरोपी था। पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रामबहोरी इलाके में देखा गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर उसे धर दबोचा।

विजनेस

सरगुजा की महिलाओं ने बदली 14 गांवों के बच्चों की सेहत

भोपाल। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के एक सुदूर ग्रामीण इलाके से आत्मानिर्भरता और स्वास्थ्य सुधार की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर सामने आई है। यहाँ की ग्रामीण महिलाओं ने मिलकर एक ऐसी अनूठी पोषण क्रांति की शुरुआत की है, जिसने न सिर्फ बच्चों में कुपोषण को मात दी है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार की एक नई इबारत भी लिख दी है। अवसर स्कूलों में मिड-डे मील का शासन बाहरी वेंडरों से आता है। लेकिन सरगुजा के एक विशेष ग्रामीण स्कूल में पढ़ रहे 14 गांवों के 1000 से अधिक आदिवासी बच्चों के लिए कहानी बिल्कुल अलग है। यहाँ बच्चों की थाली में परोसी वाली हरी सब्जियां और दूध सीधे स्थानीय महिलाओं के खेतों और होम-डेयरी से आते हैं। इस पूरे अभियान की सबसे खूबसूरत बात यह है कि खेतों में पसीना बहाने वाली और दूध की सप्लाई करने वाली ये ग्रामीण महिलाएं कोई बाहरी वेंडर नहीं, बल्कि इसी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की माएं हैं।

जेड ब्लैक अगरबत्ती ‘कौन बनेगा करोड़पति’ सीजन 18 के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़े

इंदौर। मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) के प्रमुख पूजा सामग्री और सुगंध ब्रांड्स में से एक जेड ब्लैक अगरबत्ती ‘कौन बनेगा करोड़पति’ (केबीसी) सीजन 18 के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़ा है। त्योहारी सीजन में इस साझेदारी के जरिए ‘प्रार्थना होगी स्वीकार’ अभियान को देशभर तक पहुंचाया जायेगा। मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) के निदेशक अंकित अग्रवाल ने कहा, केबीसी सिर्फ एक गेम शो नहीं हैबल्कि यह ज्ञान, सपनों और उम्मीद का उत्सव है, जिसने वर्षों से लाखों भारतीय परिवारों को प्रेरित किया है। भारत के प्रमुख पूजा सामग्री ब्रांड्स में से एक होने के नाते यह साझेदारी हमारे त्योहारी अभियान ‘प्रार्थना होगी स्वीकार’ के साथ पूरी तरह मेल खाती है। इससे हमें साल के इस खास समय में उपभोक्ताओं से जुड़ने और उनके उत्सव का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। एमडीपीएच के निदेशक अंशुल अग्रवाल ने कहा, राखीय स्तर पर मौजूदगी और लंबी अवधि के विकास की सोच रखने वाले ब्रांड के रूप में हम मीडिया प्लेटफॉर्मस को सिर्फ तुरंत च्यदा लोगों तक पहुंचने के माध्यम के तौर पर नहीं देखते, बल्कि यह भी देखते हैं कि वे लंबे समय तक उपभोक्ताओं के बीच ब्रांड की प्रासंगिकता बनाए रखने में कितने प्रभावी हैं।

बालाघाट कोर्ट परिसर में चले लात-धूंसे

जागरण, बालाघाट। बालाघाट कोर्ट परिसर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां अधिवक्ता कपिल सिहोरे ने एक युवक को दौड़ा-दौड़ा कर बेरहमी से पीटा। बार रूम में हुई यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल 21 अगस्त की दोपहर 3.30 से 4 बजे के बीच हुई इस घटना में वकील कपिल सिहोरे फोन पर बात करते-करते अचानक उग्र हो गए। उन्होंने फोन टेबल पर पटक़ा और दूसरे कमरे से लवरी निवासी मोहित कावड़े की कॉलर पकड़कर खींचते हुए बाहर लाए। इस दौरान 15-20 वकीलों की मौजूदगी में आरोपी ने युवक का सिर दरवाजे पर दे मारा और महज 10 सेकंड में 15 थप्पड़ जड़ दिए। बचाव की कोशिशों के बावजूद वकील ने युवक के चेहरे पर घुंसे और पेट में लातें मारीं, गर्दन मरोड़ी और बार रूम के बाहर घसीटते हुए ले जाकर भी मारपीट की।

महाकाल मंदिर में कांवड़ यात्रियों का हंगामा, चार सुरक्षाकर्मी घायल, 30 पर एफआईआर दर्ज

नंदी हॉल में जबरन प्रवेश करने का प्रयास, सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका तो की मारपीट

जागरण, उज्जैन। शहर के विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार को कांवड़ियों के एक दल द्वारा जमकर हंगामा किया गया। ऑंकारेश्वर के खेड़ीघाट से कांवड़ यात्रा लेकर पहुंचे लगभग 100 श्रद्धालुओं के समूह ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए नंदी हॉल और गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने का प्रयास किया। इस हिंसक झड़प और उपद्रव के दौरान मंदिर सुरक्षा समिति के 4 कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, दर्शन के लिए पहुंचे कांवड़ियों ने बजरंग-दल और विश्व हिंदू परिषद के नाम वाली टी-शर्ट पहन रखी थी। सामान्य दर्शन व्यवस्था के तहत कांवड़ियों को बैरिकेडिंग के पीछे रोका जा रहा था, लेकिन वे सीधे नंदी हॉल में प्रवेश की मांग करने लगे। सुरक्षा गार्डों द्वारा रोके जाने पर कांवड़िए उग्र हो गए और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई। कांवड़ियों ने सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के बैरिकेड्स तोड़ दिए और एक-एक करके बैरिकेडिंग कूटकर नंदी हॉल की ओर भागे। इस दौरान भीड़ को रोकने की कोशिश कर रहे सुरक्षाकर्मियों के साथ हाथापाई और मारपीट की गई।

पुलिस और मंदिर समिति की सख्त कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही महाकाल थाना पुलिस और अतिरिक्त बल मौके पर पहुंचा। पुलिस और सुरक्षाबलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उपात मचाने वाले कई कांवड़ियों को मौके से ही हिरासत में ले लिया। महाकाल थाना पुलिस ने मामले में 30 नामजद एवं अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। मंदिर प्रबंध समिति ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि कुछ उपद्रवी तत्वों ने जानबूझकर मंदिर की शांति, गरिमा और सुरक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। समिति और पुलिस प्रशासन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उपद्रवियों की पहचान कर रहा है और घटना में शामिल सभी दौषियों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गुना जिला अस्पताल में लापरवाही आई सामने

मरीज की पानी की बोतल में मिला सांप का बच्चा, दहशत में मरीज व परिजन

जागरण, गुना। जिला अस्पताल परिसर में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब शिव मंदिर के पास लगे नल से भरी पानी की बोतल में सांप का बच्चा तैरता दिखा। इस घटना के बाद अस्पताल के वाडों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के बीच दहशत का माहौल है। दरअसल घटना सुबह 9.30 बजे की है। छीरखेड़ा निवासी देवेंद्र धाकड़ के परिजन अस्पताल में भर्ती हैं। उनका अटेंडर परिसर में स्थित प्याऊ के नल से पीने का पानी भरकर वाई में लाया था। जब मरीज को पानी देने की तैयारी की जा रही थी, तभी बोतल के अंदर सांप का बच्चा दिखाई दिया। वहां मौजूद फतेहाद निवासी सुंदर सेन ने तुरंत पूरी घटना का वीडियो बनाकर रख लिया, जो अब तेजी से सामने आ रहा है। पानी की टंकियों की सफाई महीनों से नहीं हुई: आशंका जताई जा रही है कि अस्पताल परिसर की ओवरहेड पानी की टंकी या

पाइपलाइन के रास्ते यह जीव नल तक पहुंच गया। इस घटना ने अस्पताल की स्वच्छता और रख-रखाव की पोल खोल दी है। मरीजों का आरोप है कि अस्पताल में लगी पानी की टंकियों की सफाई महीनों से नहीं हुई है। कई टंकियों में काई जम चुकी है, ढक्कन गायब हैं और ऊपर घास उग आई है। परिसर में लगे वाटर कूलरों की स्थिति बेहद खराब है, जिससे कीड़े-मकोड़े पानी में पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर दूषित पेयजल मिलना मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ है। यदि यह पानी मरीज पी लेता, तो उसकी स्थिति गंभीर हो सकती थी।

ग्वालियर में सड़क धंसी, रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली फंसी

जागरण, ग्वालियर। शहर में सड़कों के धंसने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पॉश इलाके बसंत विहार रोड पर बुधवार सुबह अचानक सड़क का एक हिस्सा धंस गया, जिससे बीच सड़क पर एक बड़ा और गहरा गड्ढा बन गया। सड़क धंसने की इस घटना के वक्त वहां से गुजर रही रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक गड्ढे में फंस गई। खरारा भांपते ही चालक ने मुस्तेदी दिखाते हुए ट्रैक्टर से छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए गड्ढे के चारों ओर बैरिकेड्स लगा दिए, ताकि कोई अन्य वाहन या राहगीर दुर्घटना का शिकार न हो। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद नगर निगम का अमला काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंचा। बसंत विहार मार्ग पर पूरे दिन स्कूली बसों और आम वाहनों की भारी आवाजाही रहती है। व्यस्त सड़क पर इस तरह अचानक गड्ढा बनने से स्थानीय लोगों में दहशत और नगर निगम प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। नागरिकों का कहना है कि अब शहर की सड़कों पर चलने में डर लगने लगा है।

है कि अब शहर की सड़कों पर चलने में डर लगने लगा है।

अंजनीलाल धाम

जहां कभी था जंगल, आज गूंजती है आस्था, संकल्प से साकार हुआ धाम

देवधरा राजगढ़ : हर मंदिर की कहानी, आस्था की जुबानी

जागरण, ब्यावरा । कभी घने जंगल, कंटीली झाड़ियों और दुर्गम रास्तों के बीच एक छोटे से चबूतरें पर विराजमान भगवान अंजनीलाल का स्थान आज श्रद्धा, सेवा और संकल्प के भव्य केंद्र श्री अंजनीलाल धाम के रूप में पहचान बना चुका है। करीब 52 वर्ष पहले कुछ युवाओं ने जिस निर्जन स्थल पर सेवा का संकल्प लिया था, वह संकल्प आज एक भव्य धार्मिक एवं सामाजिक केंद्र का स्वरूप ले चुका है।

पांच दशक बाद बनी भव्य धाम की पहचान

वर्ष 1972-73 में कुछ युवाओं ने खुले आसमान के नीचे विराजमान भगवान श्री अंजनीलाल की प्रतिमा के लिए छाया की व्यवस्था करने का संकल्प लिया। करीब 1500 रुपये की लागत से प्रस्तावित टोन शेड के लिए युवाओं ने आपसी सहयोग और जनसहयोग से राशि जुटाई। एक छोटे से प्रयास से शुरू हुई यह यात्रा आगे चलकर मंदिर के निरंतर विकास की आधारशिला बनी। वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और श्रद्धालुओं के सहयोग से युवाओं ने मंदिर समिति का गठन किया। समिति के सदस्यों ने स्वयं श्रमदान किया और जनसहयोग से विकास कार्यों को गति दी। दान राशि के पारदर्शी उपयोग और सेवा भावना ने समाज में विश्वास कायम किया और धीरे-धीरे इस स्थान का स्वरूप बदलता चला गया।

आस्था ने बदल दी अजनार नदी किनारे की तस्वीर

आज यहां मकराना मार्बल से निर्मित भव्य श्री अंजनीलाल मंदिर, विशाल शिवालय, दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित श्री राम-जानकी मंदिर, विशाल सभा भवन, आरोग्य भवन, यज्ञशाला, सुंदर पार्क, कार्यालय भवन और विशाल मंदिर द्वार श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। स्वच्छ एवं सुंदर परिसर और अजनार नदी के तट का प्राकृतिक परिवेश इस धाम की सुंदरता को और बढ़ाता है। प्राकृतिक सौंदर्य का संगम श्री अंजनीलाल धाम को क्षेत्र का विशिष्ट आकर्षण बनाता है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति के साथ सहज सुंदरता का भी अनुभव होता है।

दोनों पक्षों का दावा

पीड़ित युवक मोहित कावड़े के अनुसार, आरोपी के चाचा कुणाल सिहोरे ने एक जमीन विवाद के मामले में उसे गवाह बनाया था। इसी गवाही के सिलसिले में वह कोर्ट आया था। कपिल सिहोरे ने उससे कहा कि तू हमारे बीच बोलने वाला कौन होता है? और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जाते-जाते आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। जबकि आरोपी वकील कपिल सिहोरे ने कहा कि अधिवक्ता ने गवाही के विवाद से इंकार किया है। उनका दावा है कि मोहित फर्जी रिपोर्ट बनकर बिना इजाजत फोटो खींच रहा था, फोन पर गाली-गलौज कर रहा था और उकसाने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने यह कदम आत्मरक्षा में उठाया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

बालाघाट की कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अजय गुर्जर के मुताबिक, पीड़ित मोहित की शिकायत पर अधिवक्ता कपिल सिहोरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले लिया है और वायरल वीडियो व दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

तेज रफ्तार इनोवा ने पांच वाहनों को रौंदा, 5 घायल

भागने के चक्कर में घायलों को 200 फीट घसीटा

जागरण, इंदौर। जिले के राऊ क्षेत्र स्थित श्रमिक कॉलोनी के सामने बुधवार दोपहर 12 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। करीब 80 से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही एक अनियंत्रित इनोवा कार ने चार दोपहिया वाहनों और एक ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कुल पांच लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक बुजुर्ग की हालत गंभीर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक ने सबसे पहले एक एक्टिवा और फिर तीन बाइकों को टक्कर मारी। इसके बाद इनोवा सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर सड़क के दूसरी तरफ जाकर पलट गया। दोपहिया वाहनों को मारने के बाद चालक ने भागने के चक्कर में गाड़ी आगे बढ़ाई, जिससे कुछ घायल करीब 200 फीट तक कार के साथ घिसटते चले गए। पुलिस ने डायल-100 से अस्पताल पहुंचाया : घायलों की पहचान राजपाल सिंह, भगत सिंह, पवन और मुस्तफा के रूप में हुई है। बिजलपुर निवासी मुस्तफा के बेटे की दो दिन बाद सगाई है और वे तैयारियों में जुटे थे, फिलहाल वे खतरे से बाहर हैं। घटना के बाद मौके पर एंबुलेंस उपलब्ध न होने पर एसीपी निधि सक्सेना और पुलिस टीम ने डायल-100 से घायलों को निजी अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग का इलाज यूनीक अस्पताल में जारी है। ट्रयाल पर निकली थी कार: पुलिस जांच में सामने आया कि इनोवा कार पिगडंबर निवासी देवेंद्र जोशी की है, जो केसरबाग रोड स्थित अमन मालवीय के गैराज में सर्विसिंग के लिए आई थी। गैराज संचालक अमन मालवीय कार की मरम्मत के बाद उसका ट्रयाल लेने निकला था। पुलिस ने इनोवा को जब्त कर आरोपी चालक अमन मालवीय को हिरासत में ले लिया है।

जंगल में चल रही कच्ची शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

कटनी में 4000 किलो महुआ लाहन नष्ट

जागरण, कटनी। जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान संयुक्त टीमों ने करीब 4,000 किलो महुआ लाहन नष्ट किया, जबकि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर 16 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई। दरअसल पहली कार्रवाई बरही थाना क्षेत्र के खिरहनी पराधी टोला में हुई, जहां जंगल में अवैध कच्ची शराब बनाई जा रही थी। एसडीओपी वीरेंद्र धावें और बरही व विजयराघवगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम की दबिश देखते ही आरोपी जंगल का पायदा उठाकर भाग निकले। मौके से 265 कंटेनरों में भरा लगभग 4,000 किलो महुआ लाहन बरामद हुआ, जिसकी कीमत 4 लाख रुपए आंकी गई। पुलिस ने पंचों की मौजूदगी में लाहन और 25 लीटर तैयार कच्ची शराब को मौके पर ही नष्ट कर दिया।

स्लीमनाबाद से तीन आरोपी दबोचे गए : दूसरी कार्रवाई स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम सिहड़ी में हुई। एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने दबिश देकर मौके से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 6,400 रुपए मूल्य की कुल 16 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में मीना बाई सपेरा

और सरस्वती बाई सपेरा भी शामिल हैं। शराब बनाने के उपकरण और लाहन नष्ट किया गया। स्लीमनाबाद पुलिस ने आरोपियों पर मामला दर्ज कर लिया है, वहीं बरही पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के नेटवर्क को ध्वस्त करने यह अभियान जारी रहेगा।

टैक्सी से टकराई बाइक मां की मौत, बेटा घायल

जागरण, छतरपुर। बिजावर के पास सड़क हादसे में 48 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। मृतका की पहचान दुर्जी अहिरवार के रूप में हुई है। यह हादसा उस समय हुआ जब मां-

गई थी। दर्शन करने के बाद दोनों छतरपुर लौट रहे थे। रास्ते में बिजावर के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार कट मार दिया। इससे बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रही एक टैक्सी से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी दर्शन कर घर लौट रहे थे। दुर्जी कि दुर्जी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उनके बेटे विजय बाइक पर सवार होकर जटाशंकर धाम

जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी दर्शन कर घर लौट रहे थे। दुर्जी कि दुर्जी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि उनके बेटे विजय बाइक पर सवार होकर जटाशंकर धाम

आखिरी दिन रोमांचक होगा कोलंबो टेस्ट, भारत सीरीज जीत के करीब

जेएनएन, कोलंबो

श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने कुछ समय तक डटकर मुकाबला किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने सही समय पर विकेट लेकर बुधवार को दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन मेजबान टीम के दूसरी पारी में स्टंप तक 229 रन तक छह विकेट झटक लिए। स्टंप तक सोनल दिनुशा सात और केशरा नुवंता तीन रन बनाकर क्रीज पर थे। जैसा कि अब इस मैच में आम हो गया है, शाम की बारिश और खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा। अब भारत की कोशिश होगी कि पांचवें दिन भारत और सीरीज दोनों अपने नाम कर ले। भारतीय गेंदबाजों के दबदबे से पहले पसिंदु सूर्यांबदारा (92) और कामिंडु मेंडिस (55) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी श्रीलंका की वापसी का मुख्य आधार रही। सूर्यांबदारा और मेंडिस ने तब मोर्चा संभाला जब श्रीलंका 63 रन तक दो विकेट खोकर संघर्ष कर रहा था। इन दोनों ने अगले 110 मिनट तक भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया। इस साझेदारी ने श्रीलंका को पहली पारी में 213 रन से पिछड़ने के बाद फॉलोऑन की स्थिति से उबरने में मदद की। हालांकि, उस दौरान श्रीलंका का प्रदर्शन पहली पारी की तुलना में काफी बेहतर था। पहली पारी में टीम 290 रन पर ऑलआउट हो गई थी और फॉलोऑन के स्कोर से सिर्फ 13 रन दूर रह गई थी। दिनुशा ने सीरीज का अपना दूसरा शतक लगाते हुए 103 रन की पारी खेली थी। टेस्ट में भारत के खिलाफ पहले खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट में भारत के खिलाफ नंबर 6 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते जड़े। वे ऐसा करने वाले



02 शतक दिनुशा ने भारत के खिलाफ श्रीलंका के लिए नंबर 6 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते जड़े। वे ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। टेस्ट में भारत के खिलाफ नंबर 6 या इससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए दिनेश चांदीमल, तिलकरत्ने दिलशान, प्रसन्ना जयवर्धने, अर्जुन राणातुंगा, थिलन समरवीरा और हशन तिलकरत्ने ने एक-एक बार भारत के खिलाफ शतक जड़ा था।



गैरी सोबर्स की लिस्ट में शामिल हुए दिनुशा

■ दिनुशा ने भारत के खिलाफ अपने शुरुआती दो टेस्ट में दो शतक लगाए। इस सूची में वेस्टइंडीज के महान एवर्टन वीक्स और सर गैरी सोबर्स से लेकर जहीर अब्बास, गैरी कर्स्टवन और जेसी राइडर जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

■ दिनुशा भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाते वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। इससे पहले अरविंदा डीसिल्वा, कुमार संगकारा, सनथ जयसूर्या, महेशा जयवर्धने और एंजेलो मैथ्यूज शतक लगा चुके हैं।

■ दिनुशा ने जहीर अब्बास और एवर्टन वीक्स जैसे महान बल्लेबाजों के साथ अपना नाम जोड़ लिया है। जहीर अब्बास ने भारत के खिलाफ अपनी पहली तीन पारियों में 176, 96 और नाबाद 235 रन बनाए थे, जबकि एवर्टन वीक्स ने 128, 194 और 162 रन बनाए। वीक्स ने तो भारत के खिलाफ अपनी पहली चार पारियों में शतक लगाए थे और पांचवीं पारी में 90 रन पर आउट हुए थे। दिनुशा का 100, 84 और 100 का रिकॉर्ड इसीलिए बेहद खास है।

दूसरा टेस्ट मैच सूर्यांबदारा-कामिंडु के अर्धशतकों के बावजूद टीम इंडिया मुकाबले में आगे

■ वह दूसरा मौका है, जब श्रीलंका की अंतिम तीन जोड़ियों (आठवें से दसवें विकेट तक) ने भारत के खिलाफ किसी टेस्ट पारी में 40 से ज्यादा ओवरों तक बल्लेबाजी की हो। इससे पहले 2010 में कोलंबो में श्रीलंका ने 31.2 ओवरों में केवल 87 रन पर 7 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन अंत में वे 85.2 ओवरों में 267 रनों तक पहुंचने में सफल रहे। उस पारी में टीम की आखिरी तीन जोड़ियों ने कुल 54 ओवरों तक संघर्ष किया था।

स्कोर बोर्ड				
भारत पहली पारी: 503/9 घोषित				
श्रीलंका पहली पारी: 290/10 (89.4 ओवर)				
कल के स्कोर 265/8 से आगे				
	रन	गेंद	4	6
दिनुशा का. राहुल वो. जैन	103	192	8	3
कुमार का. चुरेल वो. जैन	12	58	2	0
असिता फर्नांडो नाबाद	1	4	0	0
अतिरिक्त: 14, कुल: 89.4 ओवर में 290 रन पर सभी आउट, विकेट पतन: 1-1, 2-8, 3-35, 4-122, 5-137, 6-171, 7-173, 8-230, 9-288, 10-290, गेंदबाजी: सिराज 11-0-33-1, कृष्णा 16-2-52-3, मानव सुथार 22-1-85-3, जैन 20-4-5-69-2, जडेजा 20-4-45-1.				
श्रीलंका दूसरी पारी: 229/6 (72.4 ओवर)				
	रन	गेंद	4	6
उदारा का. जैन वो. सिराज	3	15	0	0
मिशारा पगवाधा वो. जडेजा	32	39	3	1
सूर्यांबदारा स्ट. पंत वो. सुथार	92	173	10	1
मेंडिस का. णिल वो. कृष्णा	55	92	2	3
डिसिल्वा का. पडिकवल वो. सुथार	23	44	1	1
सोनल दिनुशा खेल रहे हैं	7	37	0	0
डिकवेला पगवाधा वो. जैन	6	12	1	0
केशरा नुवंता खेल रहे हैं	3	29	0	0
अतिरिक्त: 8, कुल: 72.4 ओवर में छह विकेट पर 229 रन, विकेट पतन: 1-5, 2-63, 3-178, 4-209, 5-212, 6-218, गेंदबाजी: प्रसिद्ध कृष्णा 10-1-31-1, मोहम्मद सिराज 9-4-11-1, सुथार 18-2-81-2, जैन 17-4-3-55-1, जडेजा 18-2-48-1.				

खेल एक नजर डब्ल्यूसीएल का तीसरा सत्र 3 अक्टूबर से यूएई में होगा

नई दिल्ली, जेएनएन। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के तीसरे सत्र का आयोजन तीन से 18 अक्टूबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। पहली बार यह टूर्नामेंट ब्रिटेन से से बाहर आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट को यूएई में स्थानांतरित करने के साथ आयोजकों का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंच बनाना है, साथ ही उन्होंने तीसरे चरण में अधिक दिग्गज खिलाड़ियों, रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं और मनोरंजन का वादा किया है। 'लीजेंड्स' क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र में कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय सितारे हिस्सा लेने वाले हैं। इनमें युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, ड्वेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोहन अली, डेविड वॉर्नर और मोहम्मद महमूदुल्लाह शामिल हैं। पहले चरण का खिताब इंडिया चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर जीता था, जबकि दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने दूसरे सत्र के फाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस को हराकर खिताब अपने नाम किया।

अनुशासनहीनता पर नरसी बरतना सही नहीं: मांजरेकर

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने युवा खिलाड़ियों वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल से जुड़े अनुशासनहीनता के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर आईसीसी और बीसीसीआई की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह दोनों संस्थाएं नरम रवैया अपना रही हैं, जिससे खिलाड़ियों को अनुशासनहीनता के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। मांजरेकर ने एक्स पर लिखा, आईसीसी और बीसीसीआई, वैभव ने हाल ही में भारत-ए के लिए और अब जायसवाल ने (अनुशासनहीनता दिखाई है)। अगर आप उनका इस तरह के व्यवहार में बचाव करते रहेंगे तो आप उन्हें ऐसा व्यवहार दोहराने के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं। यह खेल के लिए अच्छा नहीं है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उनका भविष्य के लिए भी अच्छा नहीं है। कोलंबो में दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई कहासुनी के लिए जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज अश्विथा फर्नांडो पर उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया।

बुमराह को पछाड़ स्टार्क पहली बार नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बने

दुबई, जेएनएन। बांग्लादेश के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे मैच में 10 विकेट लेने वाले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अपने करियर में पहली बार टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। इस 36 साल बाएं हाथ के गेंदबाज ने पहली पारी में 12 रन देकर छह और दूसरी पारी में 39 रन देकर चार विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की पारी और 51 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे उन्होंने न्यूजीलैंड के मैट हेनरी और भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर नंबर एक स्थान हासिल कर दिया। वह इन दोनों तेज गेंदबाजों से 10 रेटिंग अंक आगे हैं। स्टार्क इससे पहले एक बार दूसरे स्थान पर पहुंचे थे। उन्होंने पिछले साल 'बॉक्सिंग डे' टेस्ट के बाद पहली बार दूसरा स्थान हासिल किया था। बुमराह इस तरह से मौजूदा दौर में केवल दो महीने तक शीर्ष स्थान पर काबिज रहे, लेकिन वह कुल 697 दिन तक नंबर



एक गेंदबाज रहे, जो किसी भी भारतीय गेंदबाज का रिकॉर्ड है। इस मामले में वह सर्वकालिक सूची में 14वें स्थान

मानव करियर की बेस्ट रैंकिंग पर, पंत टॉप 10 में

रियनर मानव सुथार रैंकिंग में 28 पायदान ऊपर करियर के सर्वश्रेष्ठ 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के असिथा फर्नांडो और प्रभात जयसूर्या दोनों पांच पायदान ऊपर क्रमशः 15वें और 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में हेरी ब्रूक ने शीर्ष पर स्थिति मजबूत करनी है। वह जो रूट से 24 रेटिंग अंक आगे हो गए हैं। भारत के रिषभ पंत छह पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के केएल राहुल (पांच स्थान ऊपर 30वें) और देवदत्त पडिकवल (59वें स्थान पर) ने भी अपनी बल्लेबाजी रैंकिंग में सुधार किया है।

पाकिस्तान-इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट आज से, बाबर आजम पर रहेंगी नजरें

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट क्रिकेट मैच लॉर्ड्स में गुरुवार से शुरू होगा। जो रूट की कप्तानी में हैडिंग्ले में पारी और 103 रन से मिली शानदार जीत के बाद इंग्लैंड की नजरें सीरीज में 2-0 से बढ़त हासिल करने पर होंगी। मैच दोपहर 3:30 बजे से शुरू होगा, जिसका प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स पर होगा। उंगली की चोट दोबारा उभरने के कारण हैडिंग्ले टेस्ट से बाहर रहे बाबर आजम फिट हैं और उनकी वापसी पाकिस्तान को बल्लेबाजी को मजबूती दे सकती है। बाबर पिछले महीने कैरेबियन दौर पर अच्छी फॉर्म में थे। हैडिंग्ले टेस्ट में पहली

ही गेंद पर आउट हुए आजान अवैस के स्थान पर बाबर के आने की संभावना है। गेंदबाजी विभाग में उदैद शाह को तेज गेंदबाजी आक्रमण में मौका मिल सकता है और ऐसी स्थिति में खुर्रम शहजाद को बाहर बैठना पड़ सकता है। रूट अपना 168वां टेस्ट खेलने उतरेंगे और इस मामले में वह स्टुअर्ट ब्रॉड से आगे निरकल जाएंगे। वह टेस्ट मैचों की संख्या के मामले में रिकी पॉटिंग और स्टीव वॉ के बराबर पहुंच जाएंगे। पाकिस्तान ने लॉर्ड्स मैदान पर पिछले दोनों टेस्ट 2016 और 2018 में जीते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में कुल 15 टेस्ट में पाकिस्तान ने पांच जीत दर्ज की हैं, जबकि चार में उसे हार मिली है।

वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर नार्थ जोन सेमीफाइनल में पहुंचा

दलीप ट्रॉफी: साउथ जोन से भिड़त

बेंगलुरु, जेएनएन। बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक और निशांत सिंधु ने वेस्ट जोन के निचले क्रम के बल्लेबाजों को चौथे दिन सुबह 6.3 ओवरों में ही पवेलियन भेज दिया, जिससे नार्थ जोन ने 52 रन से जीत हासिल करके दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उसका मुकाबला साउथ जोन से होगा। वेस्ट जोन ने टर्न ले रही पिच पर 287 के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए अंतिम दिन की शुरुआत सात विकेट पर 220 रन से की, लेकिन उसकी टीम 234 रन पर सिमट गई। उर्विल पटेल (25) और भरोसेमंद तनुष कोटियन (00) ने वेस्ट जोन की पारी आगे बढ़ाई। मुश्ताक (22 ओवर में सात रन लेकर चार विकेट) ने जल्दी ही कोटियन को आउट कर दिया और उसके बाद तुषार देशपांडे (05) का विकेट भी लिया। इसके बाद सिंधु ने उर्विल को आउट करके मैच का अंत किया। मुश्ताक ने मैच में 99 रन देकर नौ विकेट लिए और



उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस मैच का निर्णायक मोड़ निश्चित रूप से वेस्ट जोन के कप्तान रतुराज गायकवाड़ (70 गेंदों पर 66 रन) का आउट होना रहा, जिन्होंने मुशीर खान (96) के साथ 111 रन की साझेदारी की थी। उस समय वेस्ट जोन का स्कोर तीन विकेट पर 195 रन था और वह अच्छी स्थिति में, दिख रहा था। नार्थ जोन ने पहली पारी में 251 रन बनाए थे, जिसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 रन पर आउट हो गई थी। नार्थ जोन ने अपनी दूसरी पारी में 222 रन बनाए। सेमीफाइनल 30 अगस्त से खेले जाएंगे, जिसमें नार्थ जोन का सामना साउथ जोन से, जबकि नार्थ ईस्ट जोन का सामना सेंट्रल जोन से होगा।

पांचवें स्थान के साथ विश्व कप से विदा लेने उतरेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

एम्स्टेलवीन, जेएनएन। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच हारने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाने के गेम को भुलाकर गुरुवार को अपने से ऊंची रैंकिंग वाली जर्मनी को हराते हुए विश्व कप में पांचवें स्थान के साथ विदा लेने के इशारे से उतरंगी और मैच का नतीजा चाहे जो हो, यह पिछले 52 साल में उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन होगा।

इस साल शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय महिला टीम ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे पूल चरण का आखिरी मैच अगर गोलरहित ड्रा नहीं रहता तो भारतीय

महिला टी-20 एशिया कप 28 अगस्त से पहली बार यूएई में एशिया कप टीम इंडिया खिताब की दावेदार



दुबई, जेएनएन

पहली बार दुबई में खेले जा रहे महिला टी-20 एशिया कप की शुरुआत 28 अगस्त से होगी। 13 सितंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में भारत और श्रीलंका सहित कुल आठ टीमों हिस्सा लेंगी। भारत जहां एक बार फिर खिताब पर कब्जा जमाने के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा, वहीं मौजूदा चैंपियन श्रीलंका 2024 में जीते खिताब का बचाव करने की कोशिश करेगा। टूर्नामेंट में भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश के अलावा चार एसोसिएट टीमों भी शामिल होंगी। सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में कुल 15 मैच होंगे, जिनमें 12 ग्रुप मुकाबले, दो सेमीफाइनल और फाइनल शामिल है। ग्रुप चरण के मुकाबले 8 सितंबर तक खेले जाएंगे। इस दौरान हर दिन एक मुकाबला होगा। इसके बाद 10 और 11 सितंबर को सेमीफाइनल खेले जाएंगे, जबकि खिताब के लिए अंतिम मुकाबला 13 सितंबर को होगा। भारत टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के तौर पर प्रवेश करेगा। इस साल उन्होंने 16 टी-20 में नौ में हार मिली है, लेकिन टीम में गहराई उन्हें काफी मजबूत दल बनाता है। श्रीलंका भारत को चुनौती प्रदान कर सकता है, इस साल उन्हें इस प्रारूप में 10 जीत और तीन हार नसीब हुई है। वेस्टइंडीज को उन्होंने 2-1 से हराया था, बांग्लादेश के खिताब 3-0 से क्लीन स्वीप करने के साथ ही पाकिस्तान के खिताब उन्होंने 2-1 से जीत दर्ज की थी।

6 सितंबर को होगा भारत-पाक मुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 6 सितंबर को होगा। दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए 17 टी-20 मुकाबलों में भारत ने 14 मैच जीते हैं। इसके अगले दिन गति विजेता श्रीलंका बांग्लादेश के खिताब मुकाबला खेलेगी, हालांकि इन दो टीमों के बीच अब तक मुकाबला एकतरफा ही रहा है। इस प्रारूप में श्रीलंका ने बांग्लादेश को 16 में से 13 मुकाबलों में पटखनी दी है।

ग्रैंड फिनाले: कारुआना से हारे आर प्रज्ञानानंदा

सेंट लुइस (अमेरिका), जेएनएन। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को ग्रैंड चेस टूर के ग्रैंड फिनाले की पहली बाजी में अमेरिका के दिग्गज खिलाड़ी और टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार फैबियानो कारुआना से हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा शुरुआत से ही अपनी लय में नजर नहीं आए। कारुआना ने धीरे-धीरे उन पर दबाव बनाया और बाजी अपने पक्ष में कर ली। मुकाबला 48 चालों तक चला। क्लासिकल बाजी जीतने पर छह अंक मिलते हैं, इसलिए कारुआना ने शुरुआत में ही बड़ी बढ़त बना ली है। अब देखना होगा कि दुनिया के मौजूदा तीसरे नंबर के खिलाड़ी कारुआना के खिलाफ प्रज्ञानानंदा किस तरह वापसी करते हैं। दो क्लासिकल गेम के बाद दो पैपिड गेम खेले जाएंगे, जिनमें प्रत्येक जीत के लिए चार अंक मिलेंगे। इसके बाद चार ब्लिट्ज़ गेम होंगे, जिसमें प्रत्येक गेम के लिए दो अंक निर्धारित हैं। तीसरे स्थान की लड़ाई में दिन के दूसरे मुकाबले में विसेंट कीमर और वेस्टली से की बीच ड्रा रहा। इस टूर्नामेंट की पुस्कार राशि 4,50,000 अमेरिकी डॉलर है।

2027 में तीन से 11 अप्रैल तक दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा पाक

कराची, जेएनएन। पाकिस्तान छह साल के विलंब के बाद अगले साल तीन से 11 अप्रैल तक 14वें दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानी करेगा। इन खेलों का आयोजन इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर में किया जाएगा। दक्षिण एशिया ओलंपिक परिषद (एसएओसी) ने इस्लामाबाद में हाल में हुई बैठक में इस बहु खेल प्रतियोगिता की तारीखों और आयोजन स्थलों को मंजूरी दी। दक्षिण एशियाई खेलों का आयोजन मूल रूप से 2021 में होना था, लेकिन कोविड-19 महामारी समेत विभिन्न कारणों से इसे कई बार स्थगित किया गया। अगले साल मार्च में होने वाले खेलों की तारीखों को भी एक महीने आगे बढ़ाकर अप्रैल कर दिया गया। पाकिस्तान 2004 में इस्लामाबाद में क्षेत्रीय खेलों की मेजबानी करने के 23 साल बाद फिर इन खेलों

की मेजबानी करेगा। एसएओसी ने रविवार को इस्लामाबाद में अपनी कार्यकारी समिति की बैठक में यह फैसला किया। बैठक की अध्यक्षता पाकिस्तान ओलंपिक संघ (पीओए) के अध्यक्ष और दक्षिण एशियाई संस्था के प्रमुख आरिफ सईद ने की। बैठक में खेलों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए इस्लामाबाद, लाहौर और पेशावर को आयोजन स्थलों के रूप में मंजूरी दी गई। बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने बैठक में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लिया। अधिकारियों ने बाद में इस्लामाबाद में प्रस्तावित खेल स्थलों का निरीक्षण भी किया। पीओए के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि भारत के प्रतिनिधि ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बैठक में हिस्सा लिया।



जेएनएन, न्यूयॉर्क

पांच बार के यूएस ओपन चैंपियन रोजर फेडर ने आर्थर ऐश स्टेडियम में लंबे समय तक अपने प्रतिद्वंद्वी रहे और करीबी मित्र एंडी रॉडिक के खिलाफ प्रदर्शनी मैच खेल कर अपनी पुरानी फेडर के लघुनाम 'आएफ' के लोगों वाली टोपियां पहन रखी थीं, जो 20 बार के ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले फेडर के डेढ़ दशक के वर्चस्व के दौरान खेल जगत में आम हो गई थीं। फेडर ने कहा कि न्यूयॉर्क में वापसी करके बहुत

पति-पत्नी की जोड़ी खिताब से दो कदम दूर

एलिना स्विटोलिना और गेल मोर्नाफिक्स दोनों यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कभी खिताब नहीं जीत पाए हैं, लेकिन इस बार हो सकता है कि यह विवाहित जोड़ा एक साथ कोई ट्रॉफी जीत सके। पति-पत्नी की यह जोड़ी कैटेरीना सिनियकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3) (10-8) से हराकर मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। सेरेना विलियम्स और कालीस अल्काराज ने अपना पहला दौर का मैच तो जीत लिया, लेकिन बेलिंडा बेनिसिच और फ्लेवियो कोबोली से 5-4 (4), 4-1 से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।



Dr. Juneja's

EYE

Mantra

दीजिए अपनी आँखों को कुदरती आई मंत्रा

प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।

Clinically Tested

EYE Mantra

आई मंत्रा

AYURVEDIC Eye Relief Drops

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com

24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com

“टवीट ऑफ द डे”

किरेन रिंजिजू
केंद्रीय मंत्री

कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खंडा से असम चुनाव के आखिरी समय में हिमंत बिस्वा सरमा और रिनीकी पर झूठे आरोप लगाने को कहा था। जब यह झूठ उल्टा पड़ गया, तो खंडा को इनाम के तौर पर राज्यसभा की सीट दी गई, जिसके वे हकदार नहीं हैं। अगर पवन खंडा आधे-अधूरे कपड़ों में स्विमिंग की बात करते हैं तो वे हिमंत बिस्वा शर्मा से उनकी अनुशासनहीनता की शिकायत करेंगे। उन्होंने पूछा कि क्या खंडा पूरे सूट-कोट में स्विमिंग करते हैं। खंडा पड़ोसी बार राज्यसभा के लिए मनोनीत सांसद हैं जबकि उन्होंने 8 चुनाव लड़े हैं।

संक्षिप्त खबरें

दिव्यांग युवती की मदद को आगे आए डीसीपी

जागरण, इंदौर। शहर में पुलिस का एक संवेदनशील और मानवीय चेहरा देखने को मिला, जब रेलवे स्टेशन के पास एक दुर्घटनाग्रस्त दिव्यांग युवती की मदद के लिए डीसीपी नरेंद्र रावत खुद आगे आए। दरअसल एक दिव्यांग युवती अपनी एक्टिवा से जा रही थी, तभी अचानक गाड़ी का टायर टूटने से वह असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई और चोटिल हो गई। उसी दौरान क्षेत्र भ्रमण पर निकले डीसीपी नरेंद्र रावत की नजर सड़क पर तड़प रही युवती पर पड़ी। उन्होंने बिना कोई देर किए तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और खुद मौके पर पहुंचकर युवती को संभाला। डीसीपी ने न केवल युवती का हाल-चाल जाना, बल्कि संवेदनशीलता दिखाते हुए उसे तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है, जिसकी लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। कानून-व्यवस्था संभालने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी का इस तरह आगे आकर मदद करना, पुलिस की सख्त छवि के बीच इंसानियत की एक मिसाल पेश करता है। डीसीपी नरेंद्र रावत के इस कदम ने न केवल एक बेसहारा की मदद की, बल्कि आम जनता के दिल में पुलिस के प्रति विश्वास भी और मजबूत किया है।

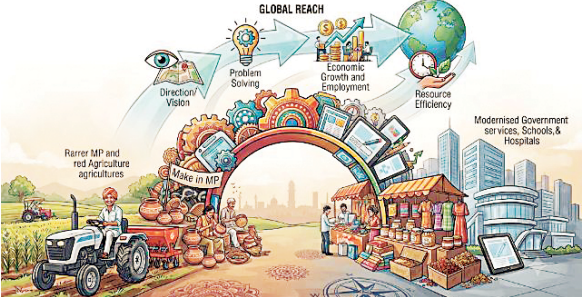
ऑटो चालक ने महिला से किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

जागरण, जबलपुर। शहर में एक ऑटो चालक द्वारा महिला से दुष्कर्म करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी झुश्वर को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता पनागर से लौट रही थी। इसी दौरान हनुमानताल निवासी आजाद नाम के ऑटो चालक ने महिला को उसके गंतव्य स्थल ग्वारीघाट सुरक्षित पहुंचाने का झांसा देकर ऑटो में बैठा लिया। रास्ते में हाईवे पर सुनसान इलाका देखकर आरोपी की नौयत निगड़ गई। उसने ऑटो रोककर महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया। वारदात के बाद पीड़िता ने तुरंत थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम गठित की और घेराबंदी कर आरोपी आजाद को 24 घंटे में दबोच लिया।

नवाचार एनआईडी की मदद से बनेगी नीति, कृषि, उद्योग और सरकारी सेवाओं की बदलेगी तस्वीर

लोकल को वोकल और ग्लोबल बनाने की तैयारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार जनवरी 2027 में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट (जीआईईएस) से पहले एक और नवाचार करने जा रही है। प्रदेश सरकार अब एक नई और खस डिजाइन पॉलिसी लाने की तैयारी में है। इसका मकसद राज्य की खेती, छोटे उद्योगों (एमएसएमई) और सरकारी कामकाज को आधुनिक बनाना और उन्हें दुनिया के नक्शे पर अलग पहचान दिलाना है। वर्तमान में केंद्र सरकार के पास डिजाइन पॉलिसी है, लेकिन मध्य प्रदेश के पास कोई राज्य-स्तरीय डिजाइन नीति नहीं थी। इस कमी को दूर करने के लिए राज्य का थिंक टैंक कहे जाने वाले अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइनिंग (एनआईडी) भोपाल मिलकर काम कर रहे हैं। हाल ही में एक बड़े कार्यक्रम के दौरान इसके संकेत दे दिए गए हैं।



इस नीति में यह होगा खास

इस नीति के तहत खेती के औजारों और उपकरणों जैसे ट्रैक्टर, सीड ड्रिल, कल्टीवेटर, प्लाउ, स्प्रेयर आदि को किसानों की जरूरत के हिसाब से और आधुनिक बनाया जाएगा, ताकि उनकी मेहनत और पैदावार दोनों बेहतर हों। इसके अलावा, पारंपरिक हस्तशिल्प और छोटे उद्योगों के उत्पादों की पैकेजिंग व लुक को सुधारा जाएगा, ताकि वे बाजार में आसानी से बिक सकें। साथ ही, सरकारी अस्पतालों, स्कूलों और पर्यटन स्थलों की व्यवस्थाओं को भी आधुनिक रूप दिया जाएगा। इस नीति में स्थानीय कारीगरों और कलाकारों के डिजाइनों की चोरी रोकने के लिए पेटेंट और कानूनी सुरक्षा के भी प्रावधान होंगे। इसका एक फायदा यह भी होगा कि स्थानीय उत्पादों को देश एवं विदेश के बाजार में अधिक दाम मिल सकेंगे।

नई डिजाइन नीति इसलिए जरूरी

आज का दौर केवल चीजों को बनाने का नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर, उपयोगी, सुंदर और यूजर फ्रेंडली बनाने का है। किसी भी राज्य में डिजाइन नीति होने पर पारंपरिक तरीके से बनाई जाने वाली चीजों को आधुनिक बाजार की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया जा सकता है। खासतौर पर कपड़े, हस्तशिल्प या कृषि उपकरणों के लिए यह बेहद लाभदायक होती है। वैश्विक बाजार में मुकाबले के लिए जब तक किसी उत्पाद का लुक, पैकेजिंग और डिजाइन इंटरनेशनल लेवल का नहीं होगा, तब तक वह दूसरे देशों के उत्पादों से मुकाबला नहीं कर पाएगा। इसके अलावा, कई बार लोग स्थानीय कलाकारों और डिजाइनरों के आईडिया या डिजाइन चोरी कर लेते हैं और उनसे बने उत्पादों को बाजार में बेचते हैं। नई नीति होने से पेटेंट और कानूनी सुरक्षा मिलती है, जिससे कारीगरों की मेहनत का सही हक उन्हें मिल जाता है।

नई डिजाइन पॉलिसी में शामिल होंगे चार बिंदु

- **सोच और विजन को मिलेगी नई दिशा** – बिना नीति के डिजाइन का काम बिखरा हुआ होता है। नीति बनने से सरकार, शिक्षण संस्थान और उद्योग एक ही मंच पर आकर एक तय लक्ष्य के लिए मिलकर काम करते हैं।
- **समस्याओं का समाधान** – यह नीति केवल दिखावे पर नहीं, बल्कि डिजाइन थिंकिंग के जरिए किसी भी समस्या को समझकर उसका व्यावहारिक हल निकालेगी। इससे काम आसान होगा।
- **आर्थिक विकास और रोजगार** – उत्पादों का डिजाइन और पैकेजिंग बेहतर होने से उनकी मांग देश और विदेश दोनों जगह बढ़ेगी। इससे उद्योगों का दायरा बढ़ेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।
- **संसाधनों का सही इस्तेमाल** – नीति के तहत काम करने से समय, धन और ऊर्जा की बचत होती है, क्योंकि हर कदम एक योजना के तहत उठाया जाएगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशनस् प्रा. लि. हेतु ‘दैनिक जागरण प्रेस’ 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जून-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश –462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त, संपादक : **राजीव मोहन गुप्त**, स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : कार्या. : 0755-6723200 **E-mail** : modemdj@gmail.com।